समग्र शिक्षा

कला पुस्तिका

कलांकुर

बालवाटिका हेतु (3 से 6 वय वर्ग तक)

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समग्र शिक्षा

कला पुस्तिका

कलांकुर

बालवाटिका हेतु (3 से 6 वय वर्ग तक)

नाम	:	....
माता का नाम	:	....
पिता का नाम	:	....
विद्यालय का नाम	:	....
मोबाइल नं०	:	....
पता	:	....

राजकीय शिशु प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय, आगरा

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण

उत्तर प्रदेश, लखनऊ

कला पुस्तिका की विकास यात्रा

मुख्य संरक्षक	:	श्री दीपक कुमार (आई.ए.एस.), अपर मुख्य सचिव, वित्त, माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन।
संरक्षण	:	श्रीमती कंचन वर्मा, महानिदेशक (स्कूल शिक्षा) उ0प्र0 तथा राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उ.प्र., लखनऊ।
निर्देशन	:	श्री गणेश कुमार, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उ0प्र0, लखनऊ।
सहनिर्देशन	:	डॉ0 पवन सचान, संयुक्त निदेशक (एस.एस.ए.) राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उ0प्र0, लखनऊ।
समन्वयन	:	श्रीमती पुष्पा कुमारी, उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आगरा।
परामर्श	:	श्रीमती दीपा तिवारी, उप शिक्षा निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उ0प्र0, लखनऊ।
सह समन्वयन	:	श्रीमती शिप्रा सिंह, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उ0प्र0, लखनऊ।
नोडल/प्रभारी	:	श्रीमती एस.बी.आरती, प्रवक्ता, श्री सनत कुमार आर्य, प्रवक्ता, राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा।
लेखन एवं संपादन	:	डॉ0 डी0 के0 गुप्ता, प्रवक्ता (कला) डायट, आगरा, श्रीमती एस.बी.आरती, प्रवक्ता, श्री सनत कुमार आर्य, प्रवक्ता, श्रीमती ऋचा पंडित (स.अ.) रा.शि.प्र. महाविद्यालय, आगरा, सुश्री श्रेया सिंह (स.अ.), श्री केदारनाथ सेकसरिया अ.इ.का. बेलनगंज, आगरा।
मुख्य विषय विशेषज्ञ	:	डॉ0 डी0 के0 गुप्ता, प्रवक्ता (कला) डायट, आगरा।
ग्राफिक आर्टिस्ट एवं चित्रांकन	:	डॉ0 अरविन्द कुमार राजपूत (असि.प्रो.) ललित कला संस्थान, आगरा, श्री सुनील कुमार (स.अ.) श्री शिवप्रसाद रा.इ.का.,अछनेरा, आगरा, सुश्री महिमा सिंह, आगर, सुश्री श्रेया सिंह (स.अ.), श्री केदारनाथ सेकसरिया अ.इ.का. बेलनगंज, आगरा, श्रीमती रेनू मलिक, (स.अ.) रसूलपुर, फतेहपुर सीकरी, आगरा। श्री पारस जैन (रपरिया) बेलनगंज, आगरा।
परिशोधन/ पुनरीक्षण परिशोधन	:	श्री अनिल कुमार प्रवक्ता (हिन्दी) डायट, आगरा, डॉ0 मनोज कुमार वाष्र्णेय, प्रवक्ता डायट, आगरा, श्री विजय कुमार, प्रवक्ता, डायट सुल्तानपुर, डॉ. गोविंद प्रसाद, प्रवक्ता, डायट बस्ती। डॉ0 राजेन्द्र चौहान, (स.अ.), जी. आई. सी. आगरा, श्रीमती चारू सोलंकी (स.अ.) जी.आई.सी. आगरा,
नामकरण	:	श्री आनन्द कुमार,प्रवक्ता (कला) डायट, इटावा।
वर्ष	:	2025–26

गणेश कुमार
निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
लखनऊ ।

निदेशक की कलम से...

'कला' विचारों, अनुभवों, भाषा मुद्रा और मन के भावों की अभिव्यक्ति का एक सरल, सुगम व मनोरंजक माध्यम है। साथ ही जीवन को समृद्ध बनाने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में भी कला महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कला को शिक्षा के एक अभिन्न अंग के रूप में स्वीकार किया गया है। कला के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ के निर्देशानुसार राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा द्वारा पूर्व प्राथमिक स्तर हेतु कला पुस्तिका '**कलांकुर**' का विकास किया गया है।

पूर्व प्राथमिक स्तर (3-6 वयवर्ग) के बच्चों में रचनात्मकता, कल्पना व अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित कला पुस्तिका '**कलांकुर**' चित्रों एवं अभ्यासों के द्वारा बच्चों को परिवेशीय संदर्भों व अनुभवों का उपयोग करते हुए स्वयं सक्रिय रहकर सीखने एवं अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ हाथ व दृष्टि के सामंजस्य की क्षमता का विकास करने में सहायक होगी।

कला पुस्तिका '**कलांकुर**' के विकास में निर्देशन एवं परामर्श हेतु मैं डॉ. पवन सचान, संयुक्त निदेशक (एस.एस.ए.), श्रीमती दीपा तिवारी, उप शिक्षा निदेशक तथा समन्वयन हेतु श्रीमती शिप्रा सिंह, प्रवक्ता-शोध, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। प्रधानाचार्य, राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा एवं उनकी टीम विशेष रूप से बधाई की पात्र है, जिन्होंने पूर्ण मनोयोग एवं प्रतिबद्धता से उक्त कला पुस्तिका '**कलांकुर**' का सृजन कर एक अभिनव प्रयोग किया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि कला पुस्तिका '**कलांकुर**' पूर्व प्राथमिक स्तर (3 से 6 वयवर्ग) के बच्चों को विभिन्न रंगों एवं आकृतियों से परिचित कराते हुए कुछ नया करने/सीखने का अवसर प्रदान करेगी एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगी।

शुभकामनाओं सहित

(गणेश कुमार)

पुष्पा कुमारी
उप शिक्षा निदेशक/ प्राचार्य

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आगरा/
राजकीय शिशु प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय, आगरा

संदेश

मुझे यह जानकर अपार प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, उत्तर प्रदेश एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की संयुक्त प्रेरणा स्वरूप राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा को पूर्व प्राथमिक स्तर (3–6 वय वर्ग तक) की कला पुस्तिका ''**कलांकुर**'' का सृजन करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

कला पुस्तिका ''**कलांकुर**'' 3–6 वयवर्ग के बच्चों हेतु तैयार की गयी है। इसके द्वारा नन्हे बच्चों में कला के प्रति रूचि उत्पन्न करने का प्रयास किया गया है। कला पुस्तिका में परिवेशीय वस्तुओं से कला को जोड़ा गया है क्योंकि बचपन में बच्चे जिन वस्तुओं से परिचित हो जाते हैं, उसे जीवन पर्यन्त स्मरण रखते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि कला पुस्तिका ''**कलांकुर**'' करके सीखने को बढ़ावा देगी एवं उनकी रचनात्मकता को और निखारने का माध्यम बनेगी।

मैं राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा में सृजित कला पुस्तिका ''**कलांकुर**'' से जुड़े समस्त विशेषज्ञों, प्रशिक्षुओं एवं अन्य सहयोगियों को हार्दिक बधाई एवं सफलता हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

(पुष्पा कुमारी)

विषय सूची

अभ्यास क्रमांक	अभ्यास का नाम	पृष्ठ संख्या
	3 – 4 वय वर्ग हेतु	
1.	प्राथमिक आकारों की पहचान	1 – 3
2.	आकारों का विस्तृत स्वरुप	4 – 6
3.	प्राथमिक रंगों की पहचान	7 – 9
4.	द्वितीयक रंगों की पहचान	10 – 12
	4 – 5 वय वर्ग हेतु	
5.	आकारों व रंगों की पहचान	13 – 15
6.	रंगों का अभ्यास	16 – 18
7.	पेंसिल रेखांकन	19 – 21
8.	रंग प्रसार विधि	22 – 23
9.	हस्त छापाकृति	24 – 25
10.	पत्ती छापाकृति	26 – 27
11.	अंगूठा छापाकृति	28 – 29
12.	सुतली से आकार बनाना	30 – 32
	5 – 6 वय वर्ग हेतु	
13.	कागज कोलाज चित्रण	33 – 34
14.	अक्षराकृति	35 – 37
15.	प्रतिबिम्ब आकृति	38 – 39
16.	बिंदु चित्रण	40 – 41
17.	क्षेपांकन चित्रण	42 – 45
18.	उभरी सतह प्रणाली	46 – 47
19.	धूलि चित्रण	48 – 49
20.	छिड़काव चित्रण	50 – 52
21.	मृद गढ़नशीलता	53 – 55

अभ्यास–1

प्राथमिक आकारों की पहचान

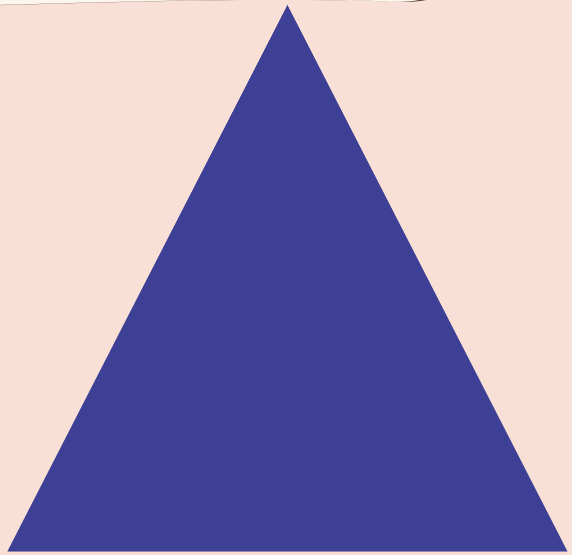

त्रिभुज

आयत

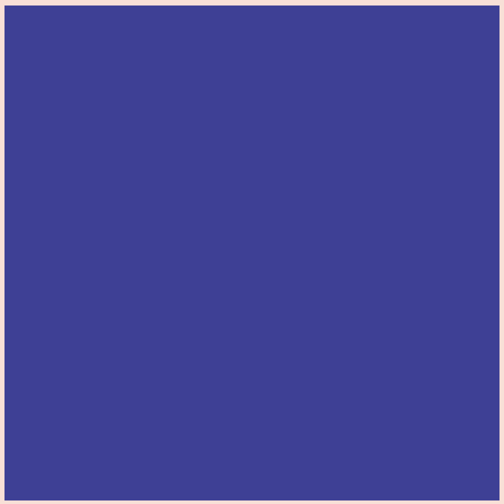

वर्ग

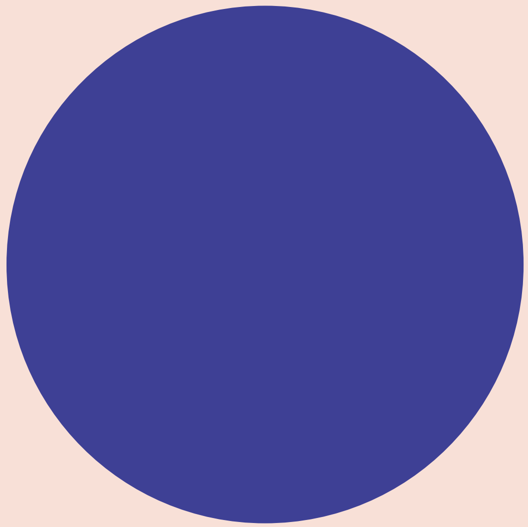

वृत्त

निकाले गये रंगों के कट-आउट को प्राथमिक आकारों पर रखकर मिलान करवाएँ।

अभ्यास-1
प्राथमिक आकारों की पहचान

कट-आउट को बाहर निकालें।

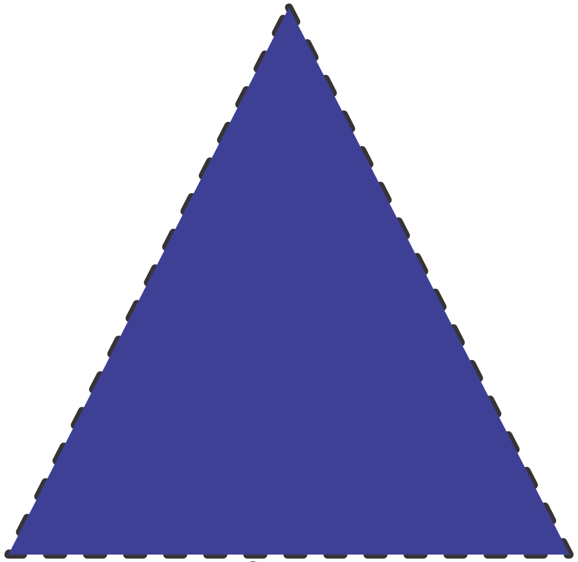
त्रिभुज

आयत

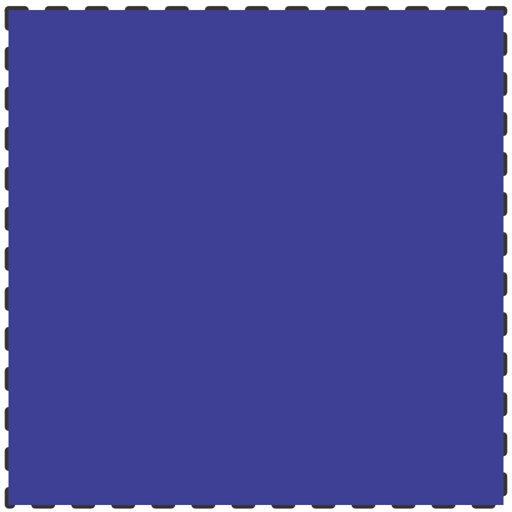
वर्ग

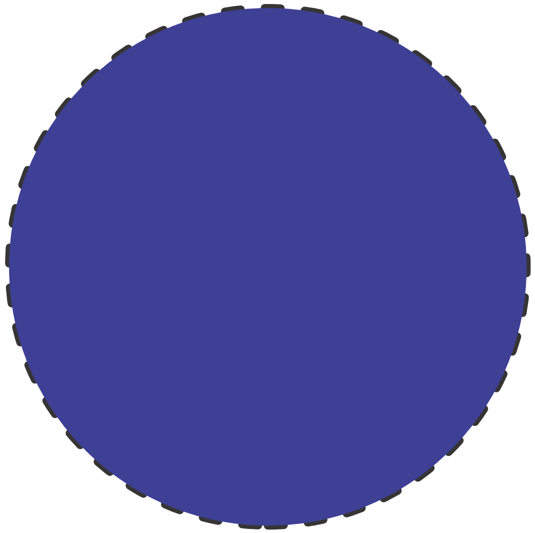
वृत्त

अभ्यास-1
प्राथमिक आकारों की पहचान

घरेलू वस्तुओं में प्राथमिक आकारों का रूप पहचानना।

पत्ती

श्याम पट्ट

कैरम बोर्ड

थाली

अभ्यास–2

आकारों का विस्तृत स्वरूप

शंकु

अर्धवृत्त

पतंगाकार

षट्कोण

निकाले गये रंगों के कट-आउट को गोंद की सहायता से चिपकाएँ।

Q1D4T8

अभ्यास–2

आकारों का विस्तृत स्वरूप

कट–आउट को बाहर निकालें।

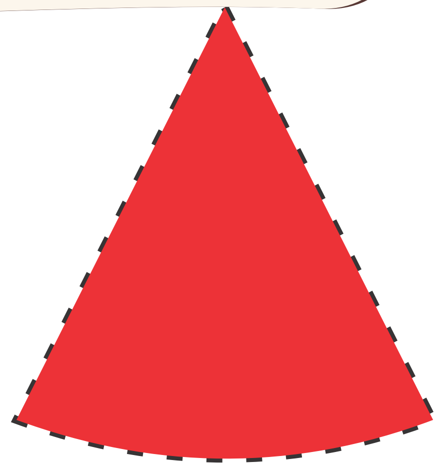

शंकु

अर्धवृत्त

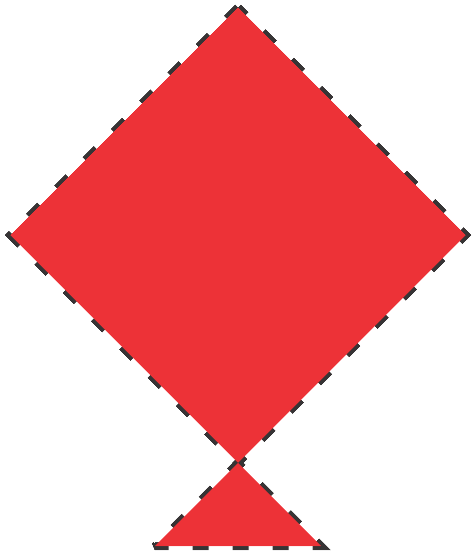

पतंगाकार

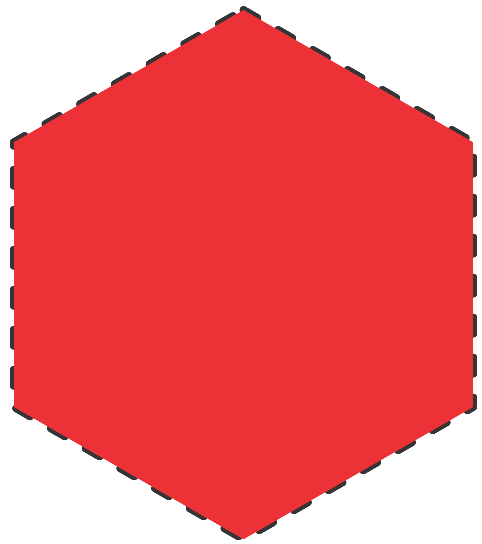

षट्कोण

अभ्यास-2
आकारों का विस्तृत स्वरूप

घरेलू वस्तुओं में द्वितीयक आकारों का रूप पहचानना।

टोपी

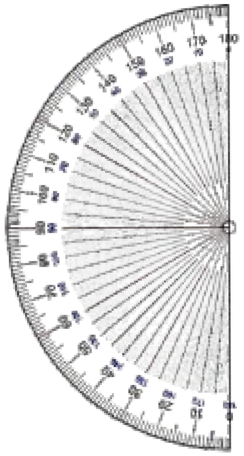

चांदा

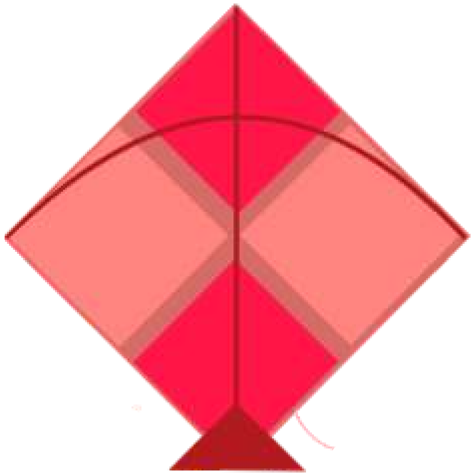

पतंग

बोल्ट

अभ्यास-3
प्राथमिक रंगों की पहचान

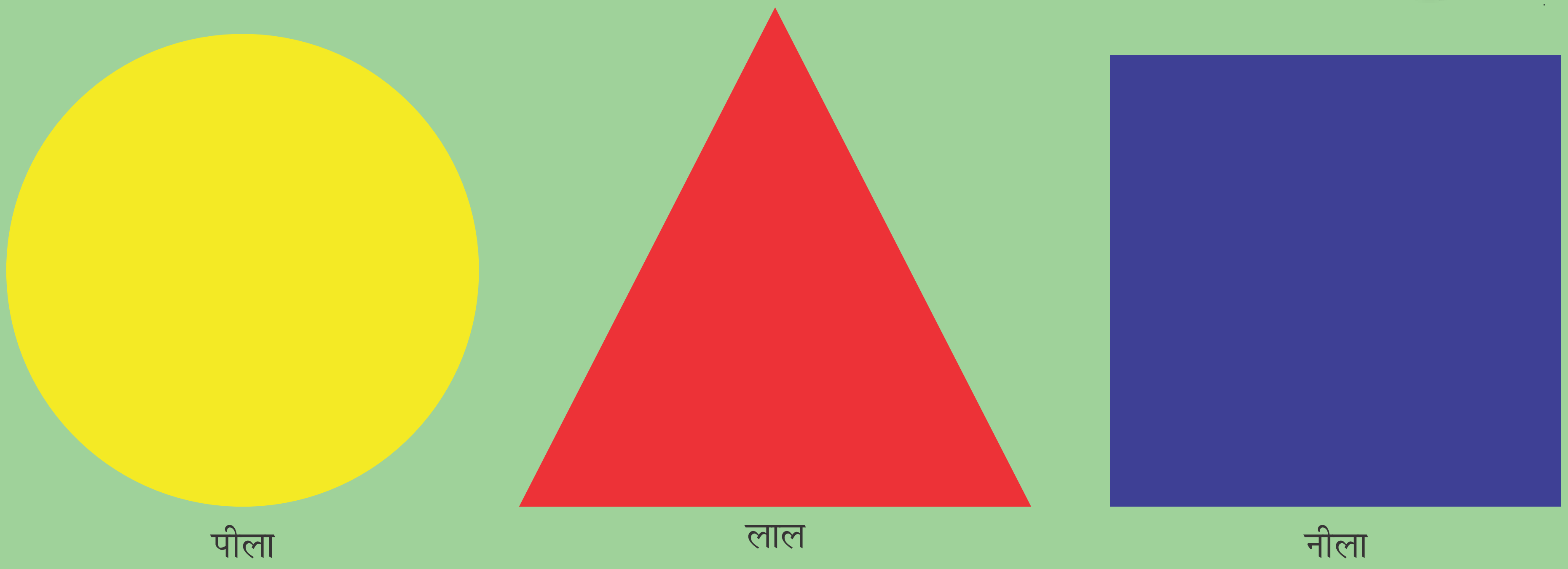

निकाले गये रंगों के कट-आउट को गोंद की सहायता से चिपकाएँ।

I9U6Q6

अभ्यास-3
प्राथमिक रंगों की पहचान

कट-आउट को बाहर निकालें।

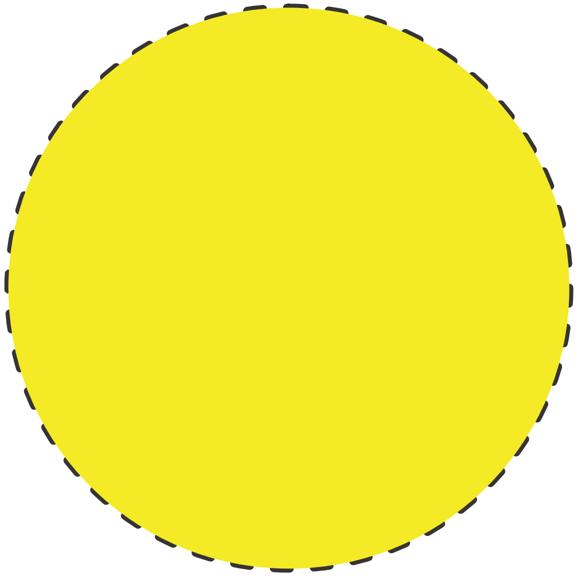

पीला

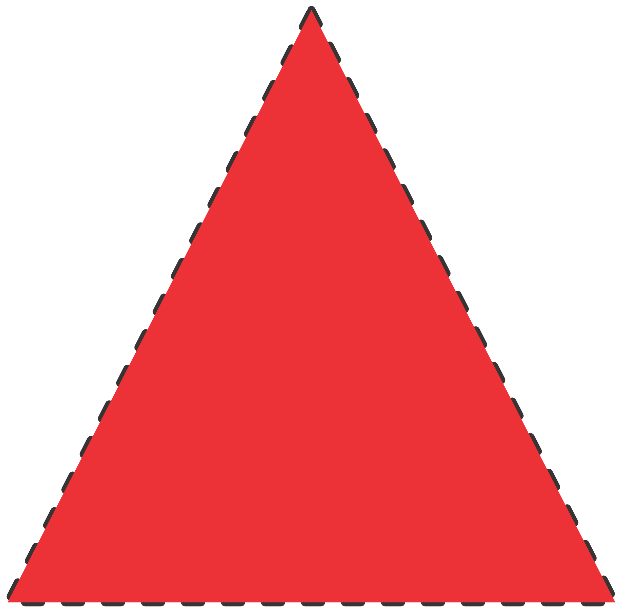

लाल

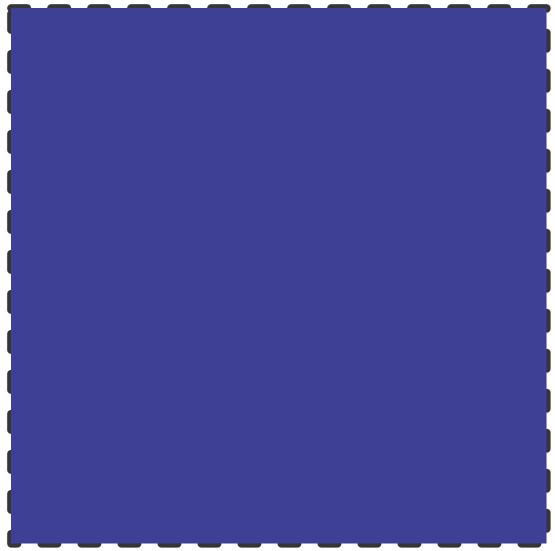

नीला

अभ्यास-3
प्राथमिक रंगों की पहचान

घरेलू वस्तुओं में प्राथमिक रंगों को पहचानना।

सरसों का फूल

टमाटर

बादल

अभ्यास-4

द्वितीयक रंगों की पहचान

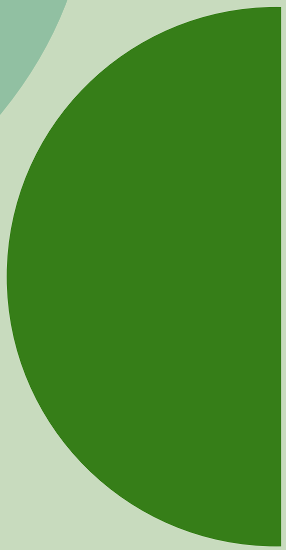

हरा

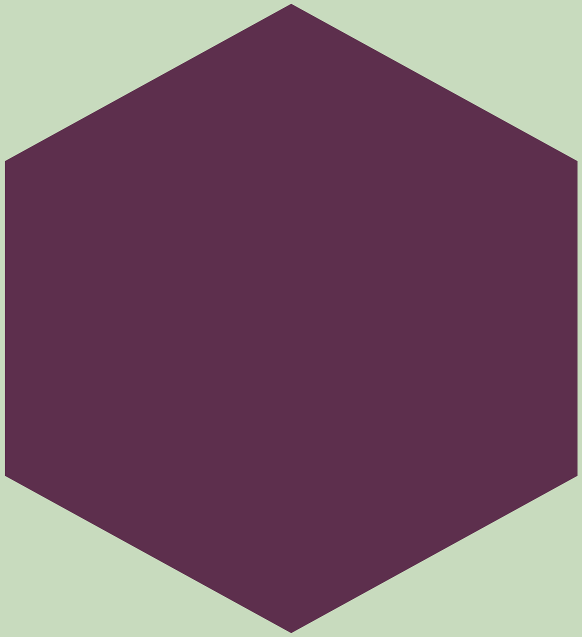

बैंगनी

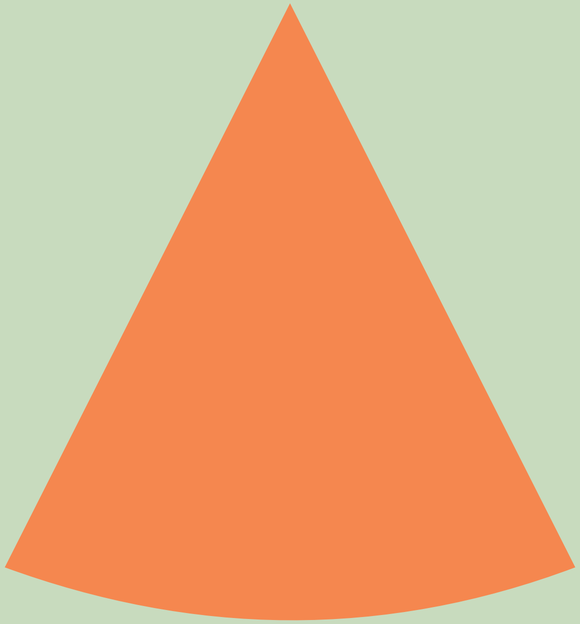

नारंगी

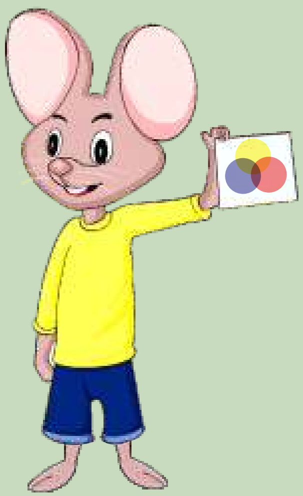

निकाले गये रंगों के कट-आउट को गोंद की सहायता से चिपकाएँ।

V6G1F2

अभ्यास–4
द्वितीयक रंगों की पहचान

कट–आउट को बाहर निकालें।

हरा

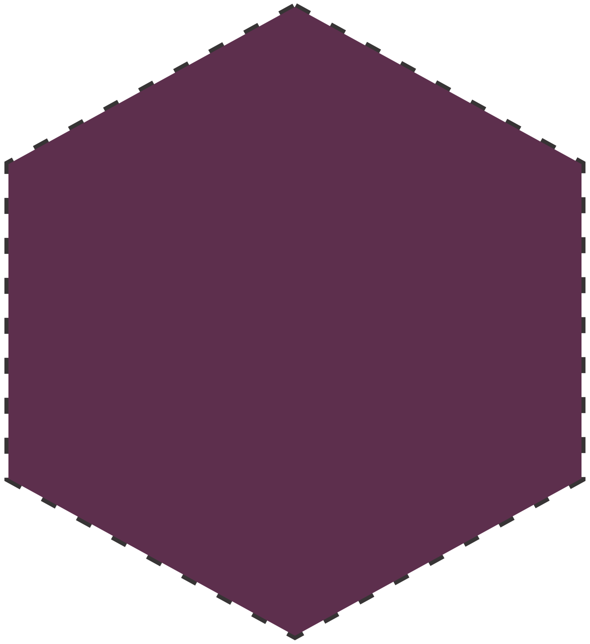

बैंगनी

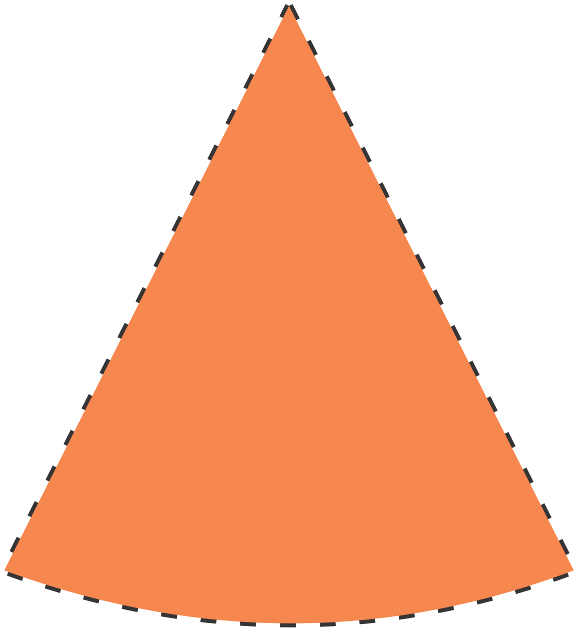

नारंगी

अभ्यास-4
द्वितीयक रंगों की पहचान

घरेलू वस्तुओं में द्वितीयक रंगों को पहचानना।

पत्ती

बैंगन

संतरा

अभ्यास-5

आकारों व रंगों की पहचान

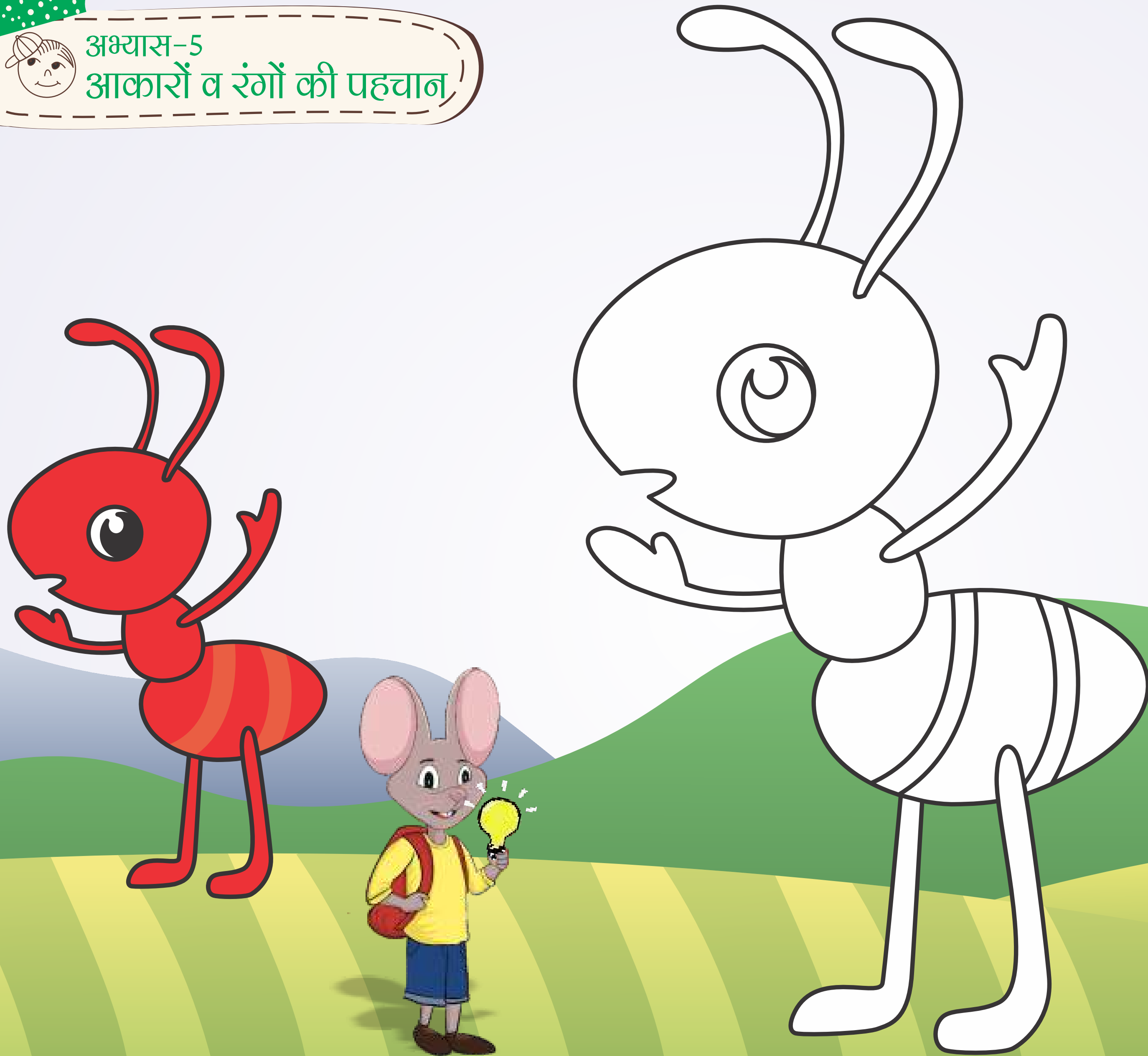

सावधानीपूर्वक दिया गया चींटी का कट-आउट बाहर निकलवाएँ। आकृति के अनुसार सामान आकार व रंग पर रखवाएं कट-आउट पर गोंद की सहायता से चिपकाएँ।

Y5L8L1

कट-आउट को बाहर निकालें।

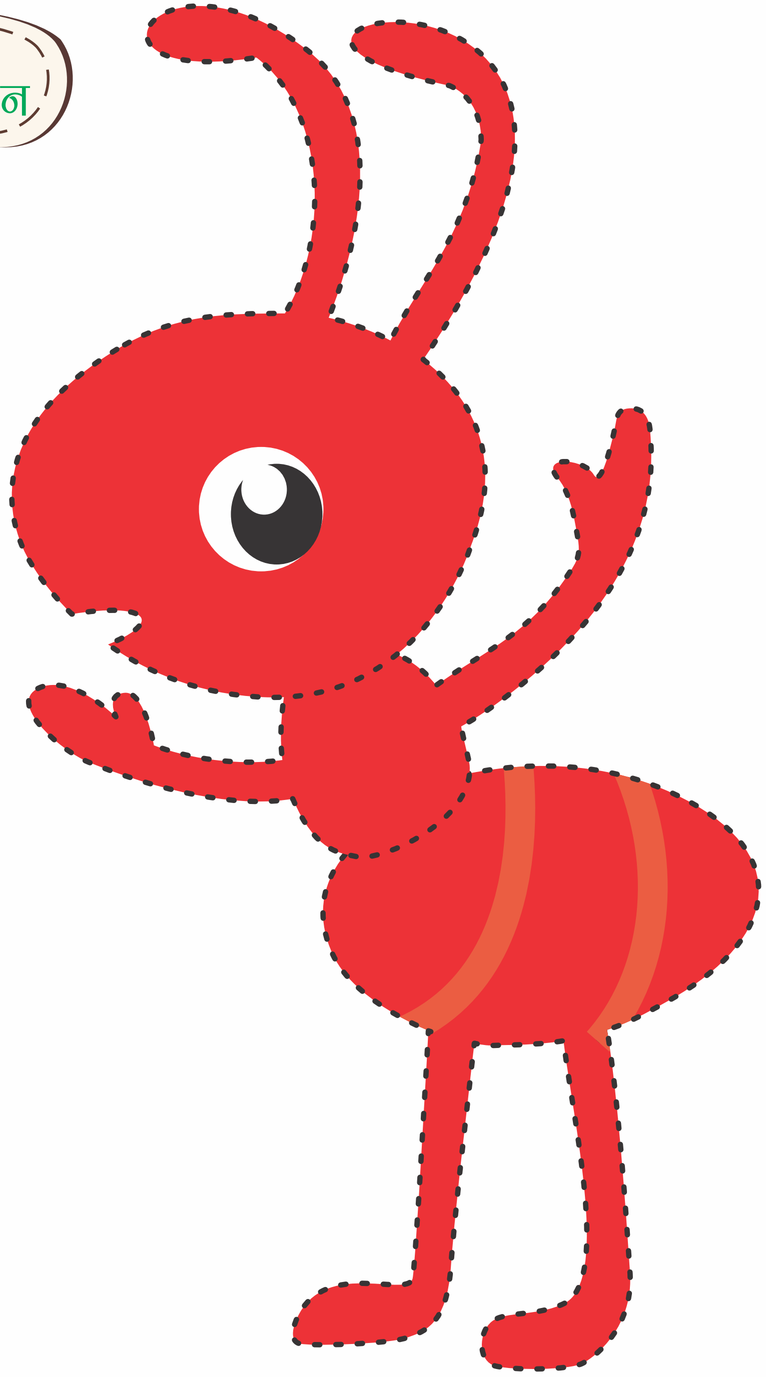

अभ्यास-5

आकारों व रंगों की पहचान

बच्चों में विभिन्न आकारों एवं रंगों की पहचान व समझ विकसित करना।

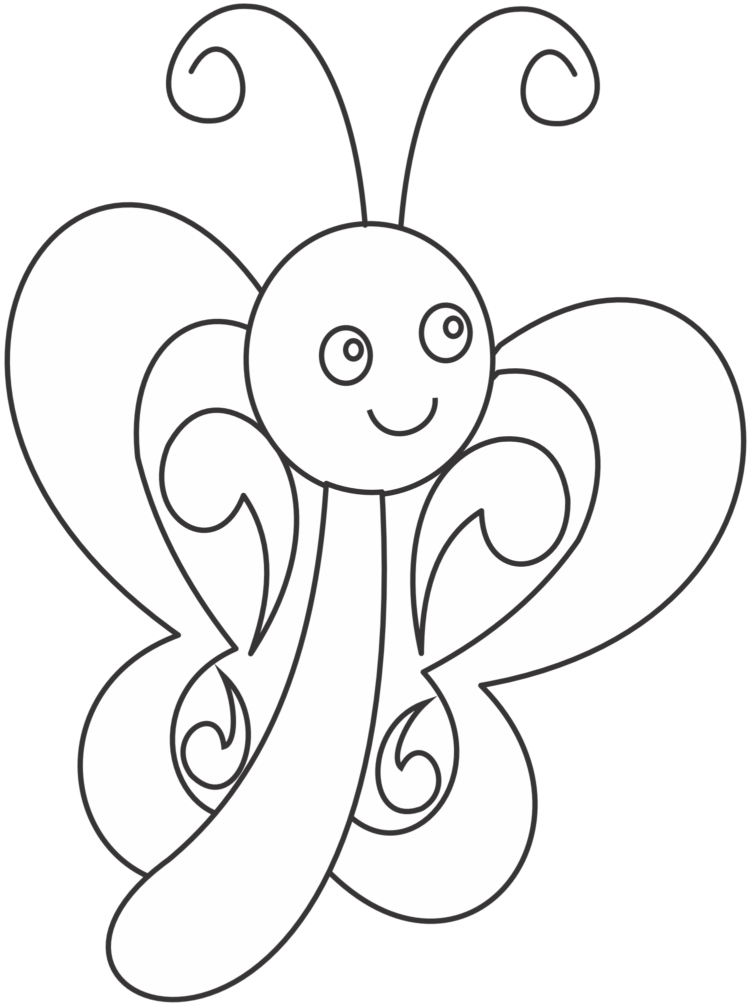

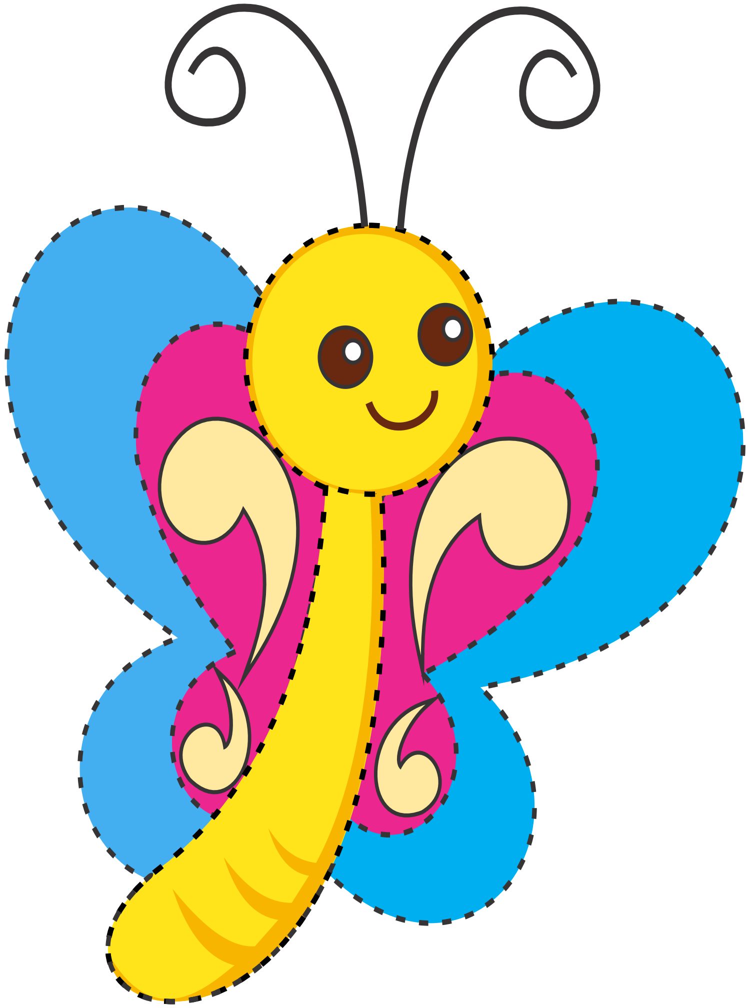

अभ्यास-6
रंगों का अभ्यास

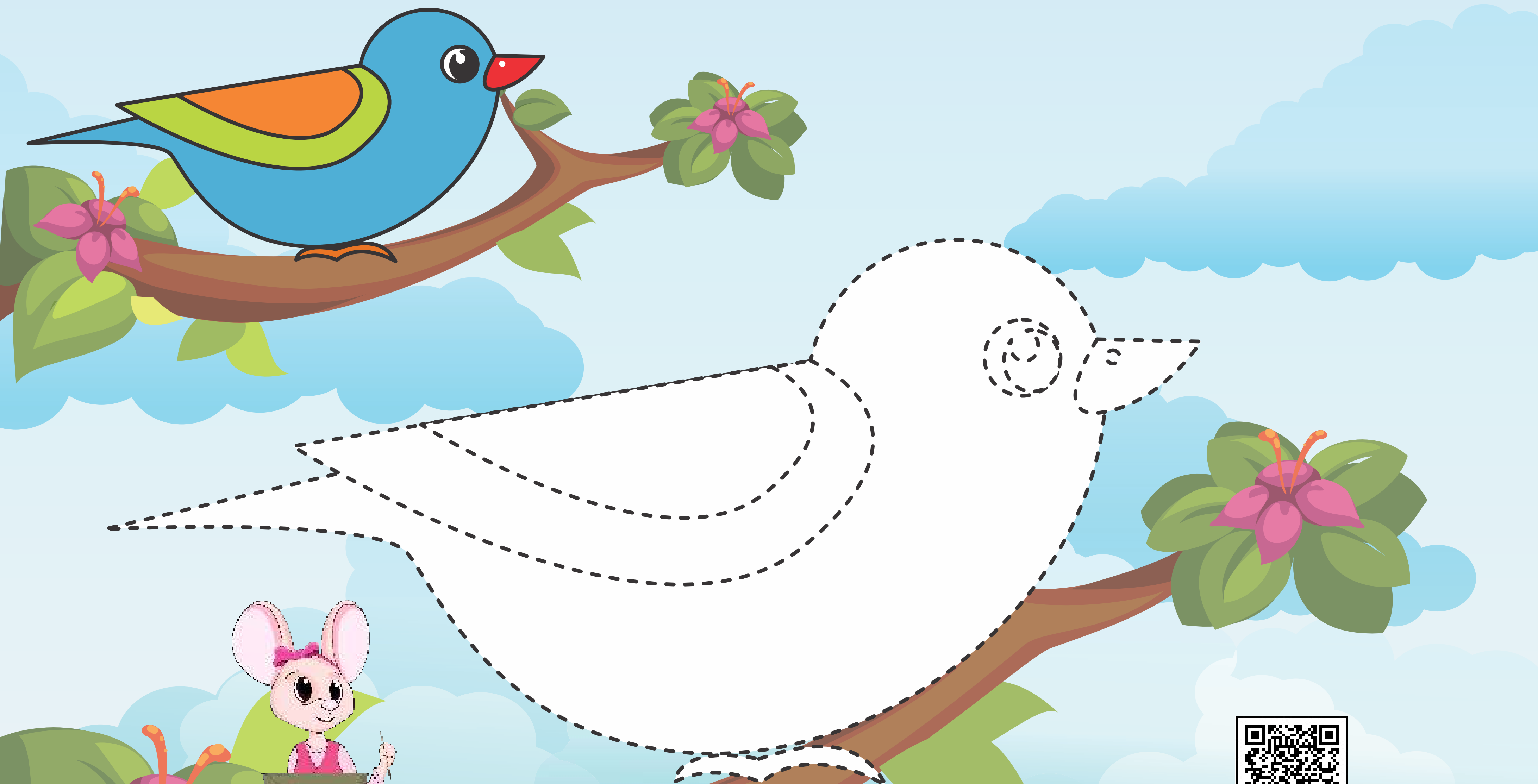

आभासीय आकृति को पेंसिल द्वारा रेखांकित करवाएँ। रंगीन पेंसिल की सहायता से आकृति के अनुसार सावधानीपूर्वक रंग भरवाएँ।

Z9Y4R2

अभ्यास-6
रंगों का अभ्यास

बच्चों को बिंदु के माध्यम से रेखा बनाना व रंग की पहचान कर उचित जगह पर रंग भरने की समझ विकसित कराना।

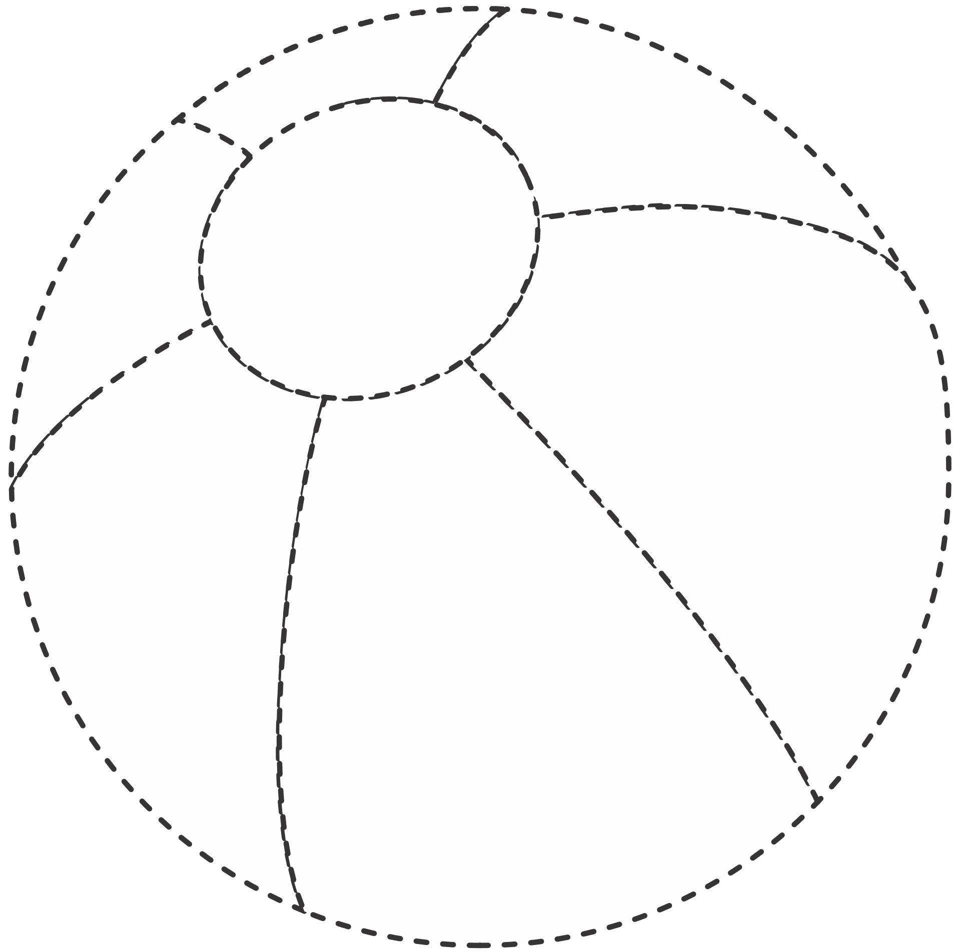

अभ्यास-6
रंगों का अभ्यास

बच्चों को बिंदु के माध्यम से रेखा बनाना व रंग की पहचान कर उचित जगह पर रंग भरने की समझ विकसित कराना।

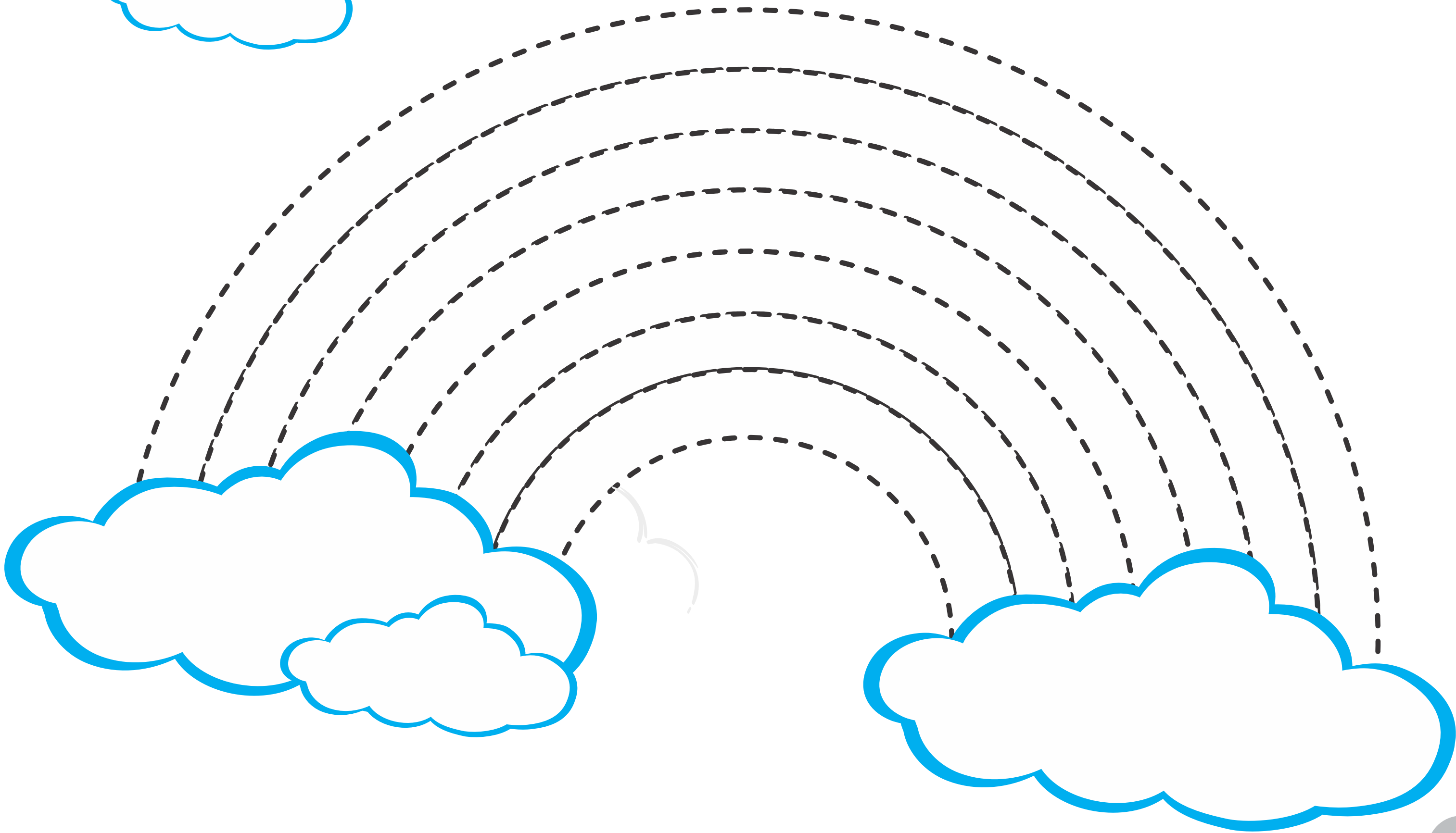

अभ्यास-7
पेंसिल रेखांकन

दी गयी आकृति के अनुसार आभासीय आकृति में पेंसिल से गोलाकार या आड़ी-तिरछी रेखाएं बनवाएँ।

L7F3L9

अभ्यास-7
पेंसिल रेखांकन

बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार की रेखाएं खिंचवाकर आकारों का निर्माण कराना व बच्चों में सृजनात्मकता विकसित कराना।

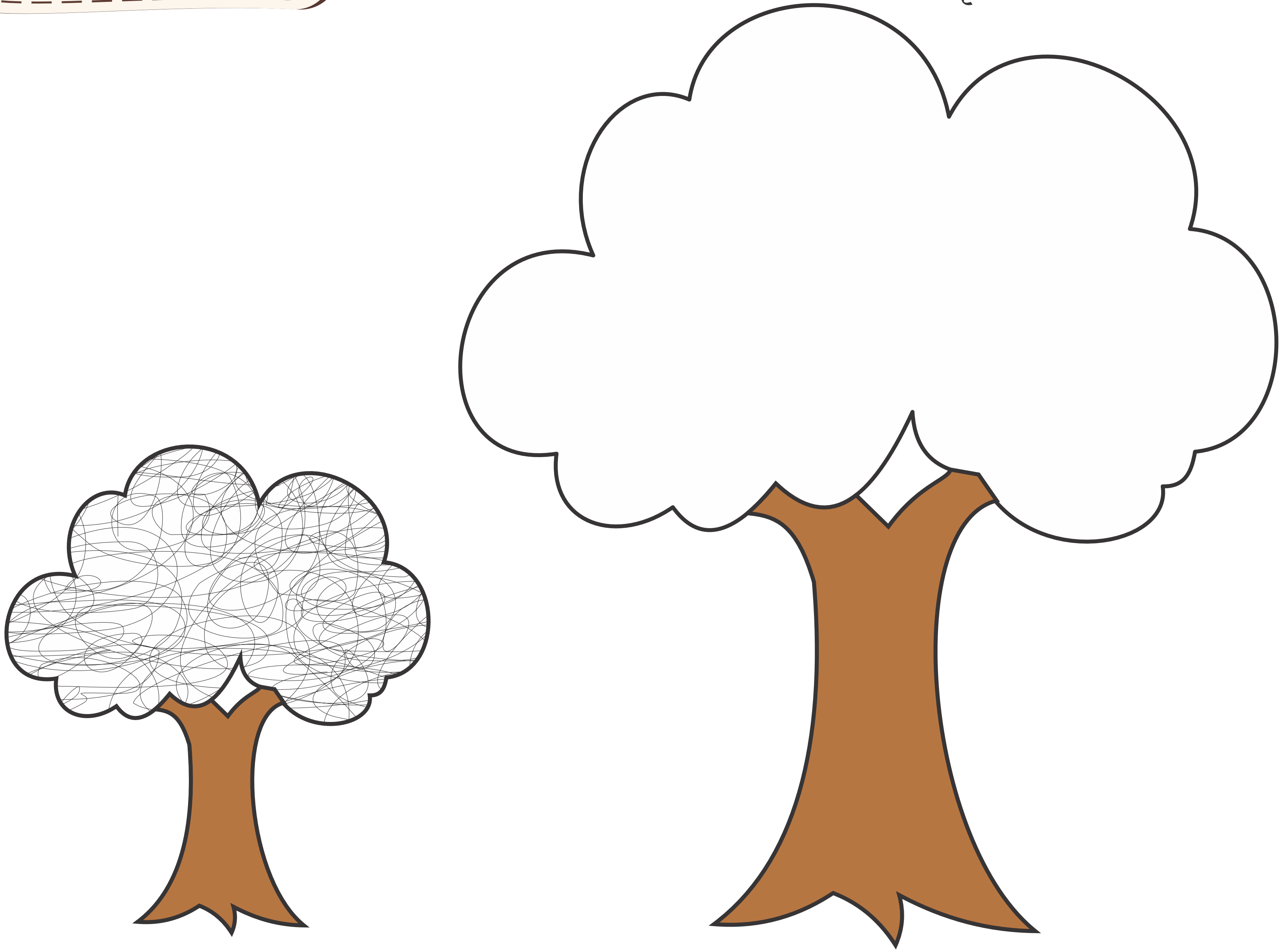

अभ्यास-7
पेंसिल रेखांकन

बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार की रेखाएं खिंचवाकर आकारों का निर्माण कराना व बच्चों में सृजनात्मकता विकसित कराना।

अभ्यास-8
रंग प्रसार विधि

पेज को दाएं से बाएं की तरफ मोड़ लें। मोड़ने वाले स्थान पर आवश्यकतानुसार गाढ़ा रंग रखवाएँ। पेज को बन्द करके हल्के हाथ से दबाएँ।

I5E5W6

अभ्यास-8
रंग प्रसार विधि

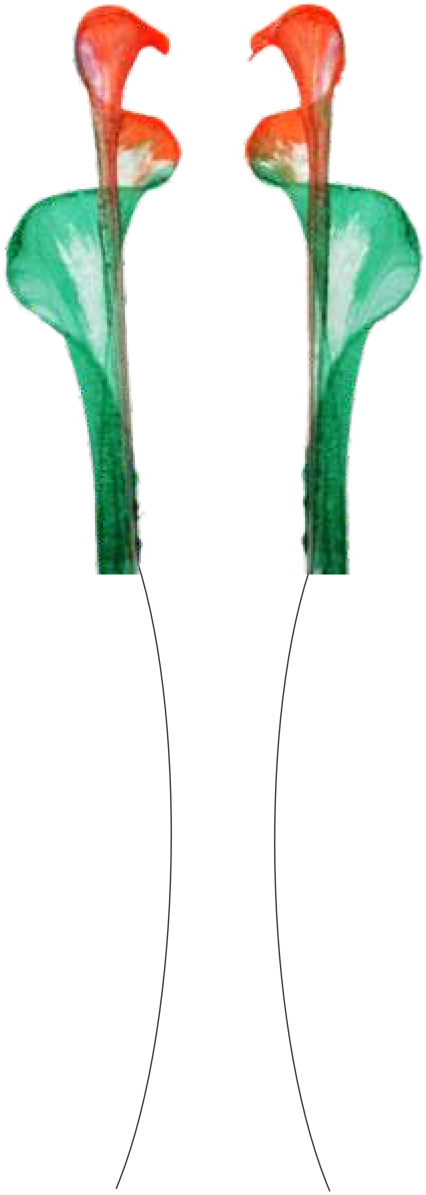

बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के रंगों के मिश्रण से किसी आकार का सृजन करवाना एवं उनमें रंगों के ज्ञान को विकसित कराना।

अभ्यास-9
हस्त छापाकृति

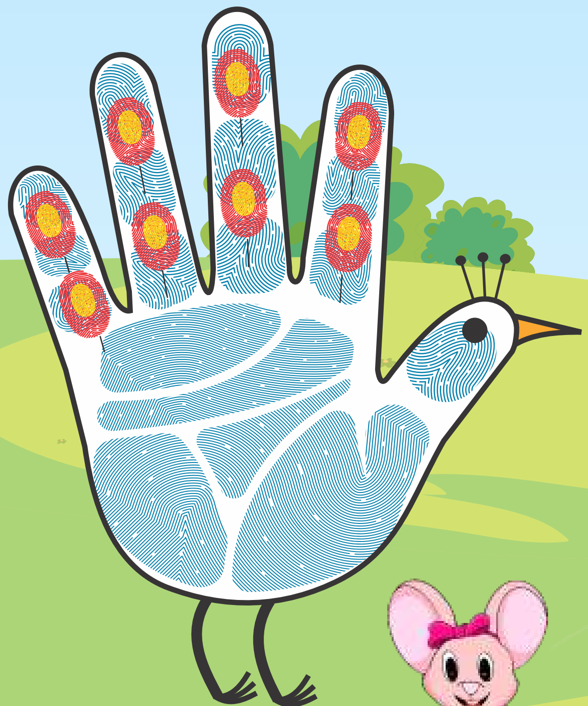

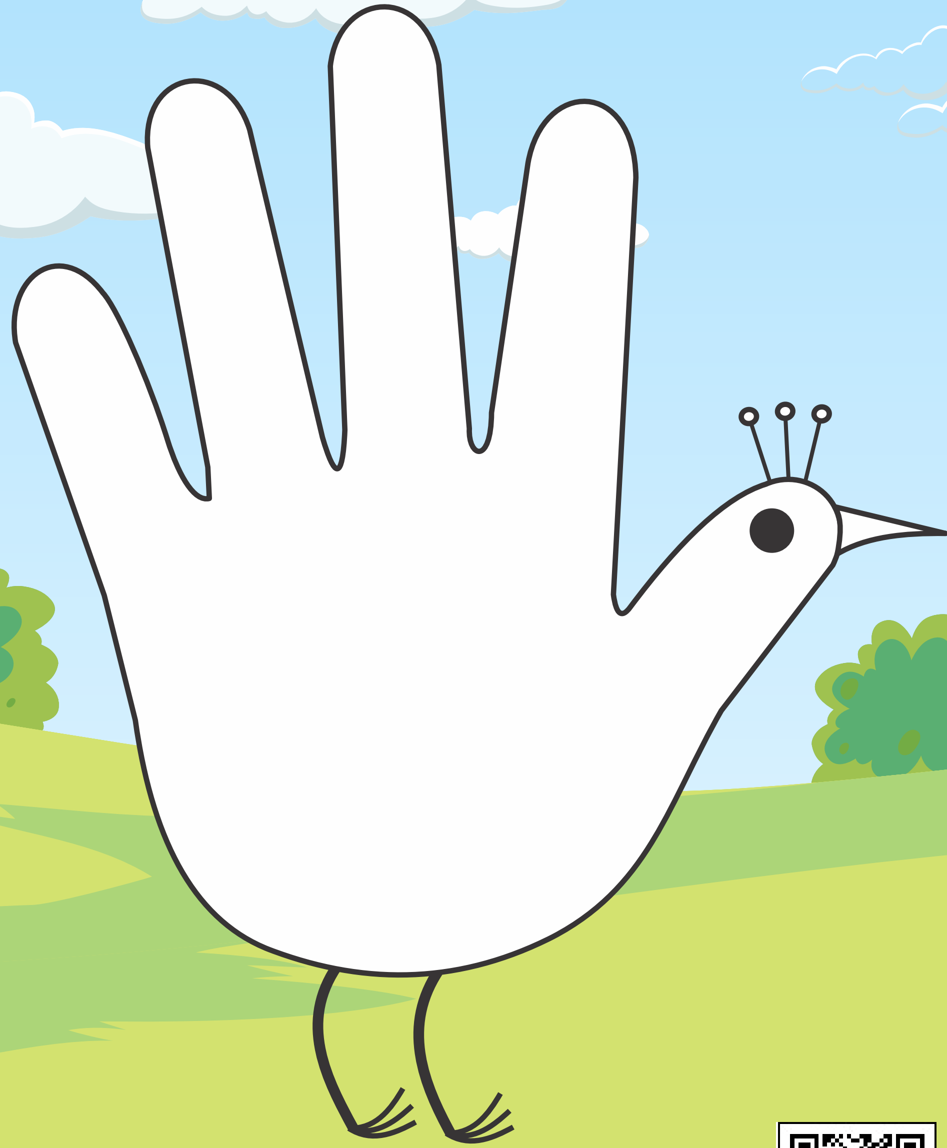

बाएं हाँथ की हथेली पर नीला रंग लगवाएं। पेज पर दिए गये स्थान पर हथेली की छाप लगवाएँ। उंगली पर लाल व पीला रंग लगवा कर बिंदी की छाप लगवाएँ।

E1W2K6

अभ्यास-9
हस्त छापाकृति

बच्चों में हाथ की छाप द्वारा बनी आकृति की संरचना की समझ विकसित कराना।

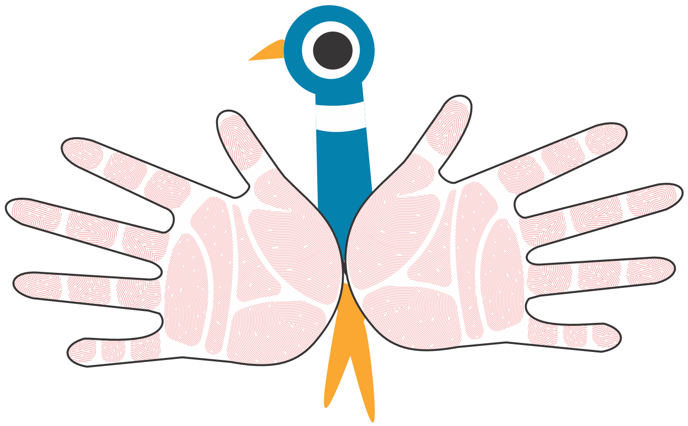

अभ्यास-10
पत्ती छापाकृति

पत्ती पर आवश्कतानुसार गाढ़ा पोस्टर रंग लगवाएँ। पत्ती को पेज पर रख कर छाप लगवाएँ। छाप लगवाकर पत्ती को हटा लें।

A7Y1D7

अभ्यास-10
पत्ती छापाकृति

बच्चों में अपने आस-पास के पेड़-पौधों के ज्ञान को विकसित करना व बच्चों में रंगों के संयोजन की समझ विकसित कराना।

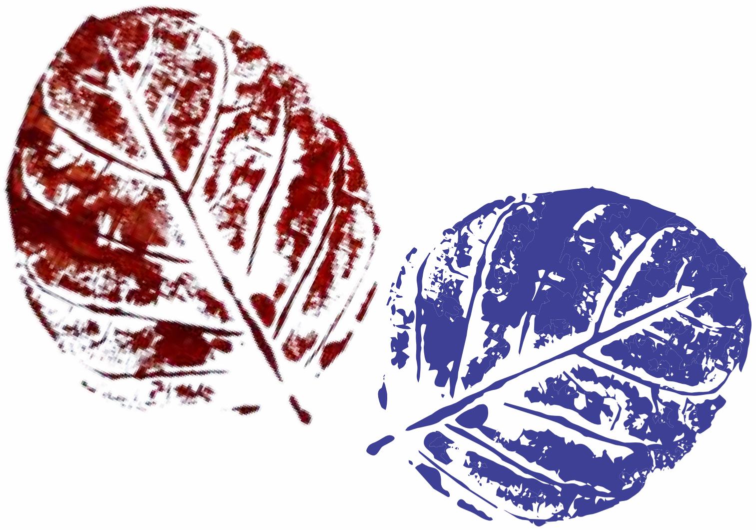

अभ्यास–11
अंगूठा छापाकृति

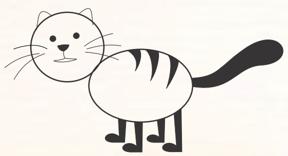

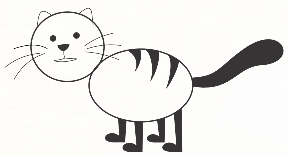

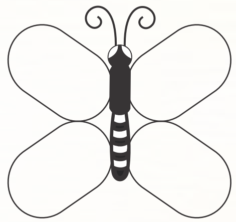

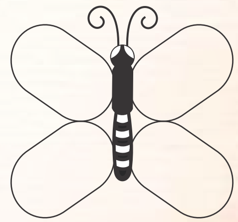

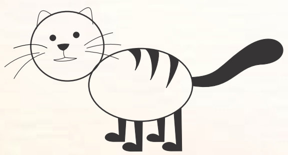

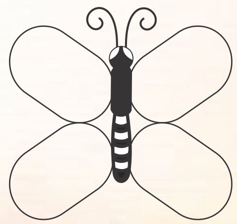

पोस्टर रंग को अंगूठे पर लगवाएँ। पेज पर दी हुई अंगूठे की आभासीय आकृति पर अंगूठे की छाप लगवाएँ।

LZZ2S9

अभ्यास-11
अंगूठा छापाकृति

बच्चों में अंगूठा व उंगलियों द्वारा आकृति बनाने की क्षमता विकसित करना।

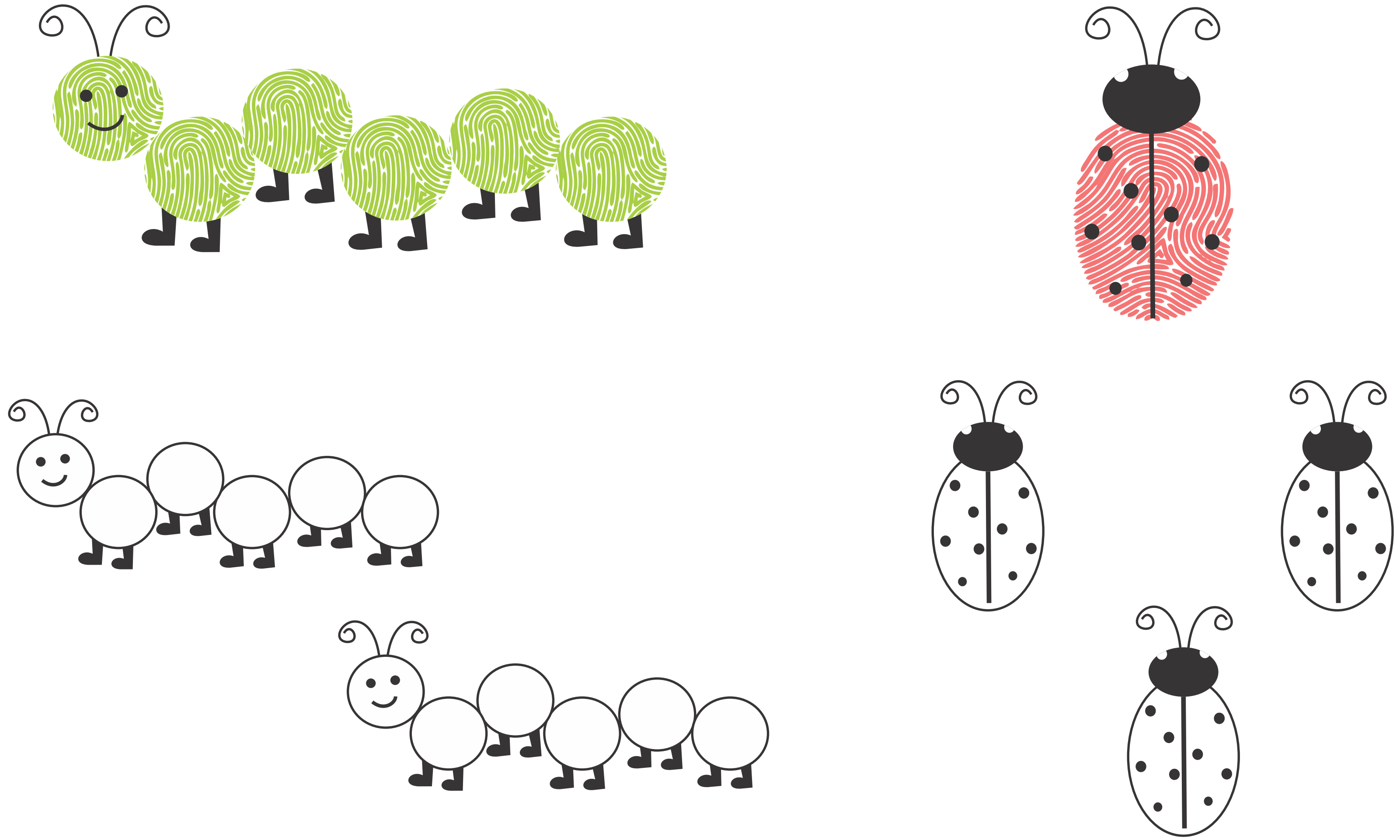

अभ्यास–12
सुतली से आकार बनाना

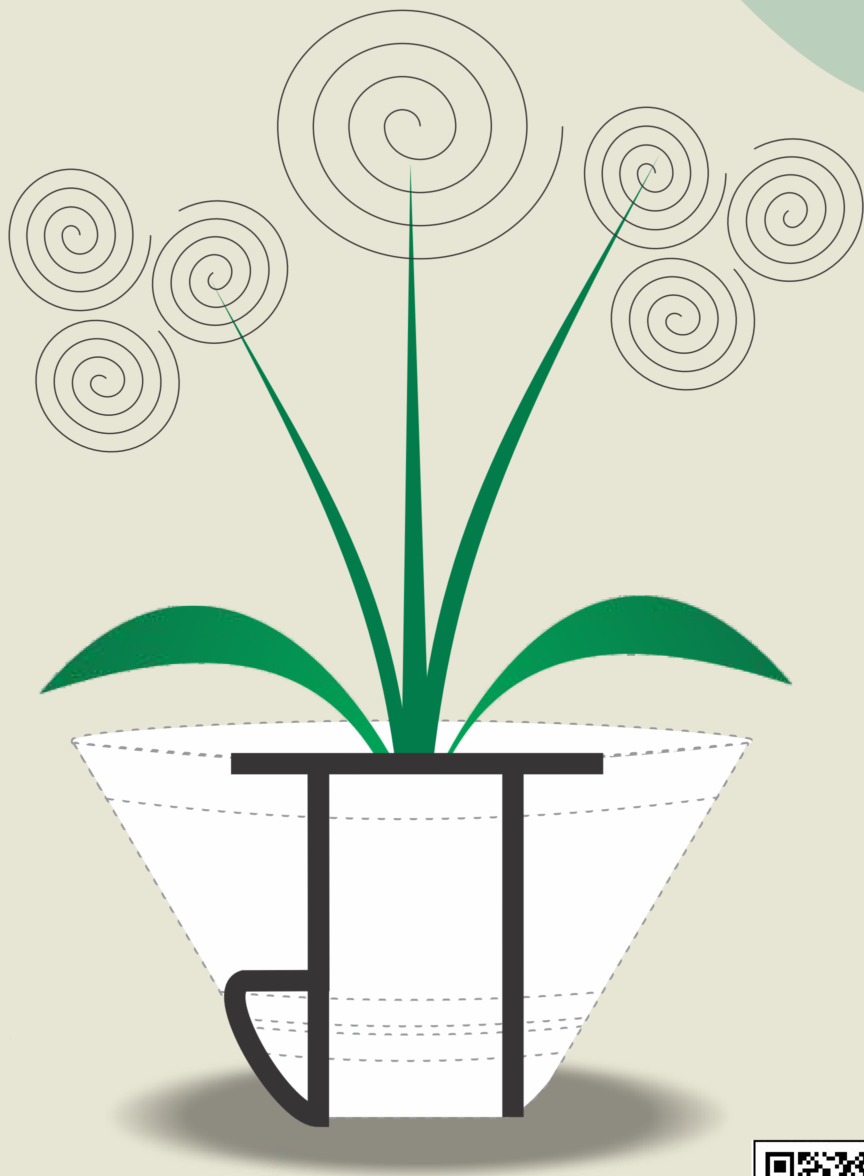

गमले को रंग कर पुरानी ऊन व सुतली को तोड़ लें।
दी गयी आकृति के अनुरूप गोंद लगे स्थान पर गोलाकार पुष्प बनायें।

M3S7X5

अभ्यास–12
सुतली से आकार बनाना

बच्चों में आस–पास के परिवेश में उपलब्ध सामग्री से सृजनात्मकता विकसित कराना।

अभ्यास-12
सुतली से आकार बनाना

बच्चों में आस-पास के परिवेश में उपलब्ध सामग्री से सृजनात्मकता विकसित कराना।

अभ्यास-13

कागज कोलाज चित्रण

रंगीन कागज को हाथ की सहायता से छोटा-छोटा फाड़ लें। दिए गए चित्र के समरूप आकृति में गोंद की सहायता से कतरनों को चिपकायें।

D2N7Q6

अभ्यास-13
कागज कोलाज चित्रण

बच्चों को कागज की कतरनों द्वारा
आकार देने की कला को विकसित करना।

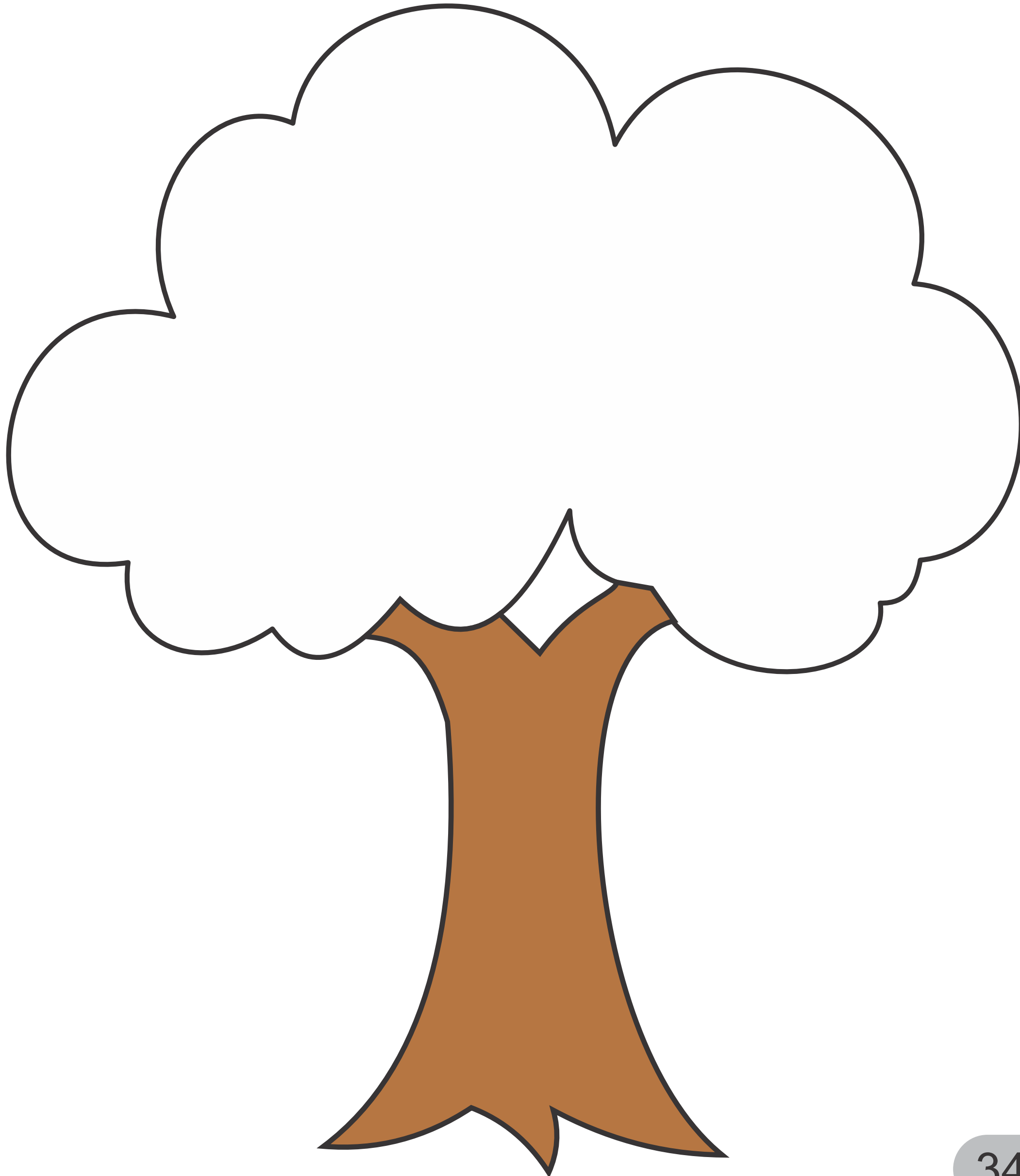

अभ्यास-14
अक्षराकृति

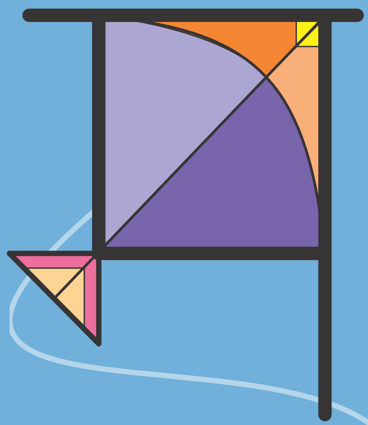

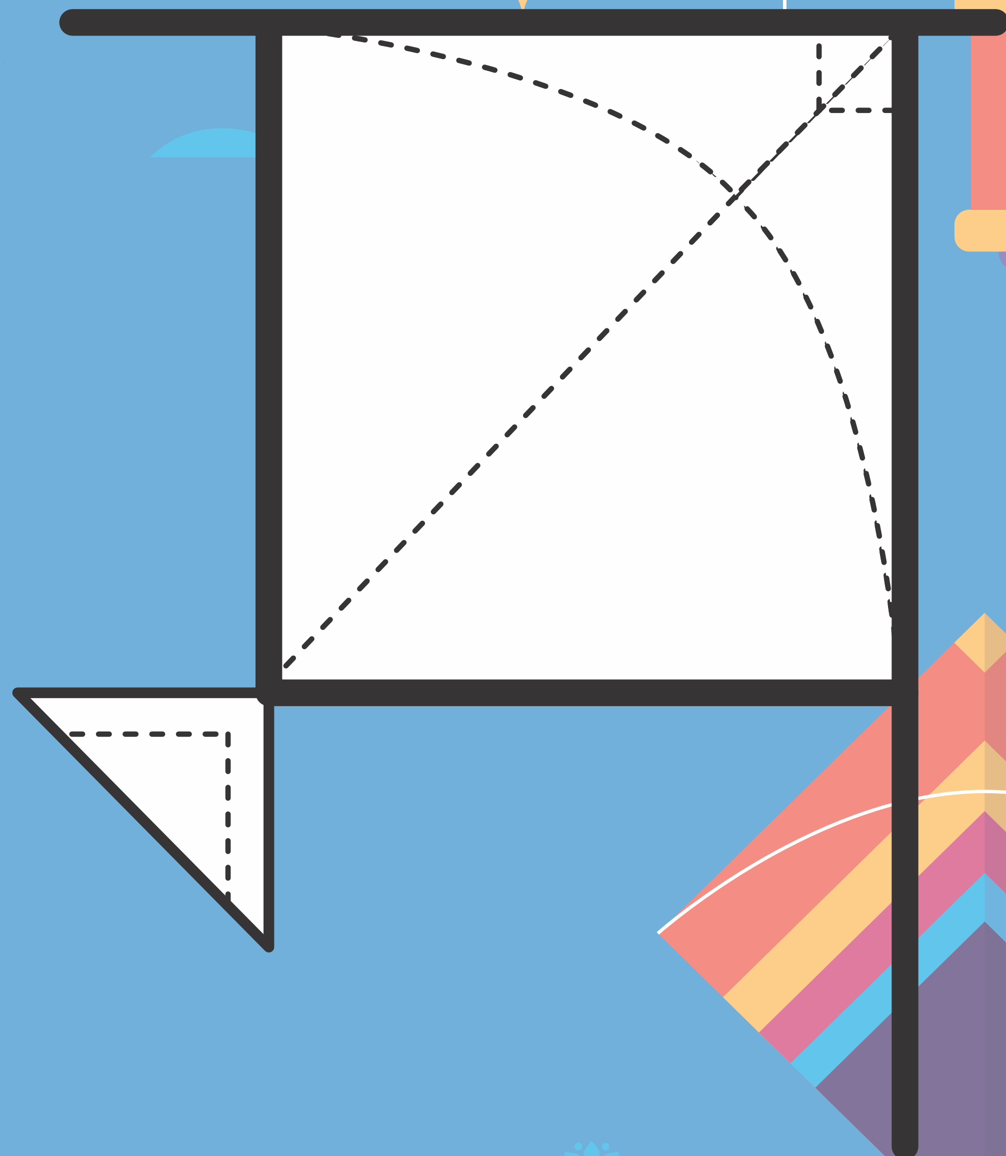

आभासीय आकृति में अंकित बिंदुओं को रेखा द्वारा जोड़े।
चित्र के अनुरूप आभासीय आकृति में रंग भरें।

अभ्यास-14
अक्षराकृति

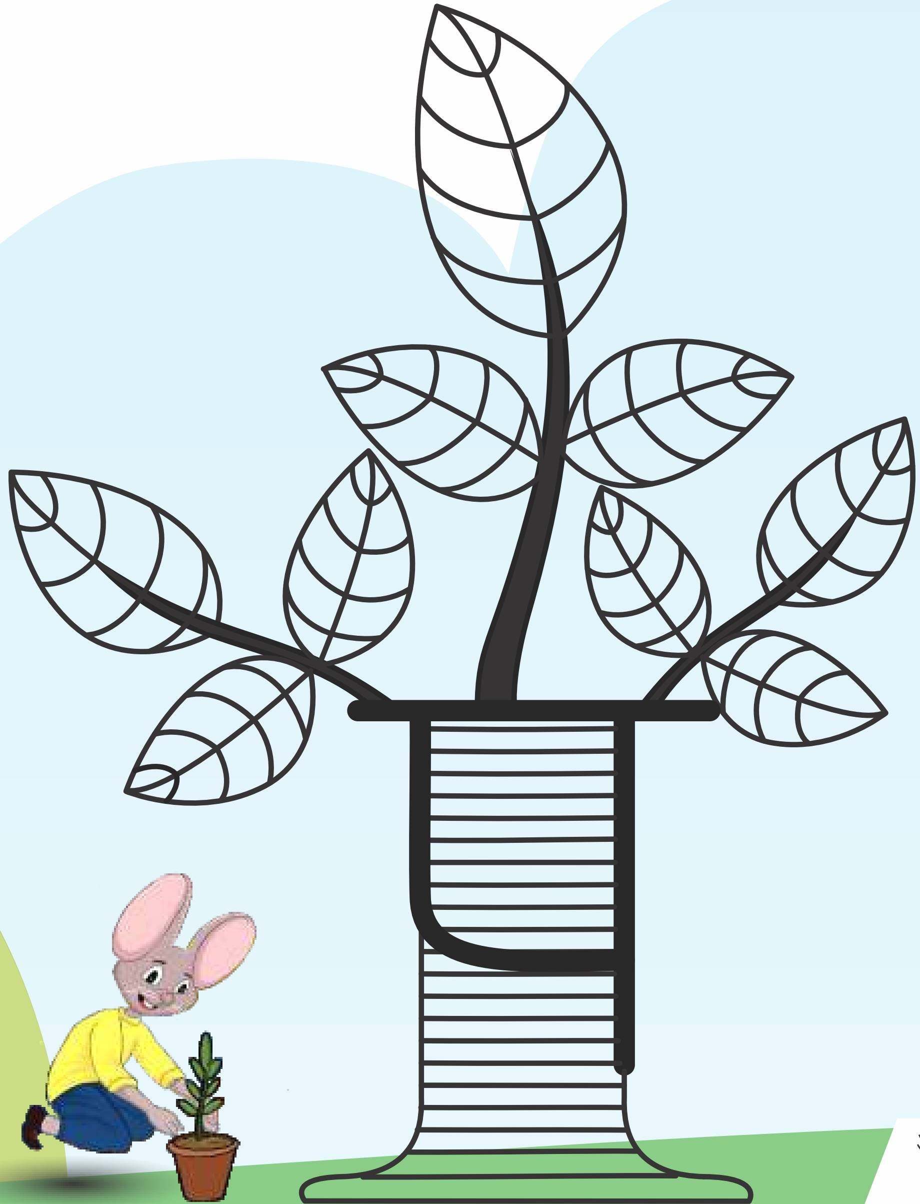

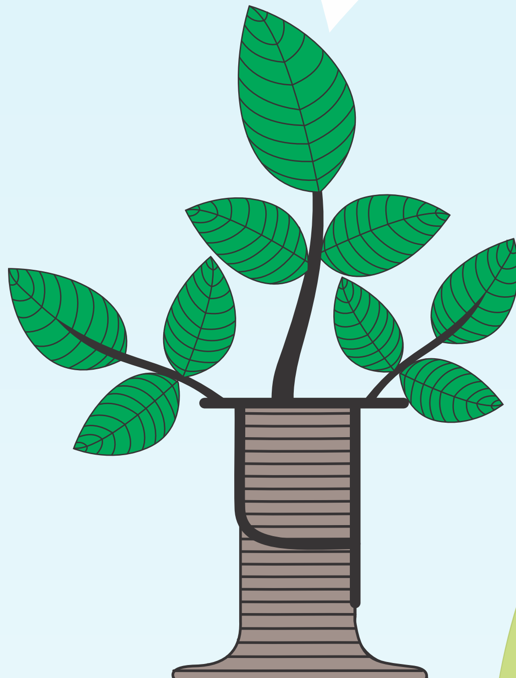

आभासीय आकृति में अंकित बिन्दुओं को रेखा द्वारा जोड़ें।
चित्र के अनुरूप आभासीय आकृति में रंग भरें।

C8N1U4

अभ्यास-14
अक्षराकृति

बच्चों में रेखाओं द्वारा आकृति का विकास करने की समझ विकसित करना।

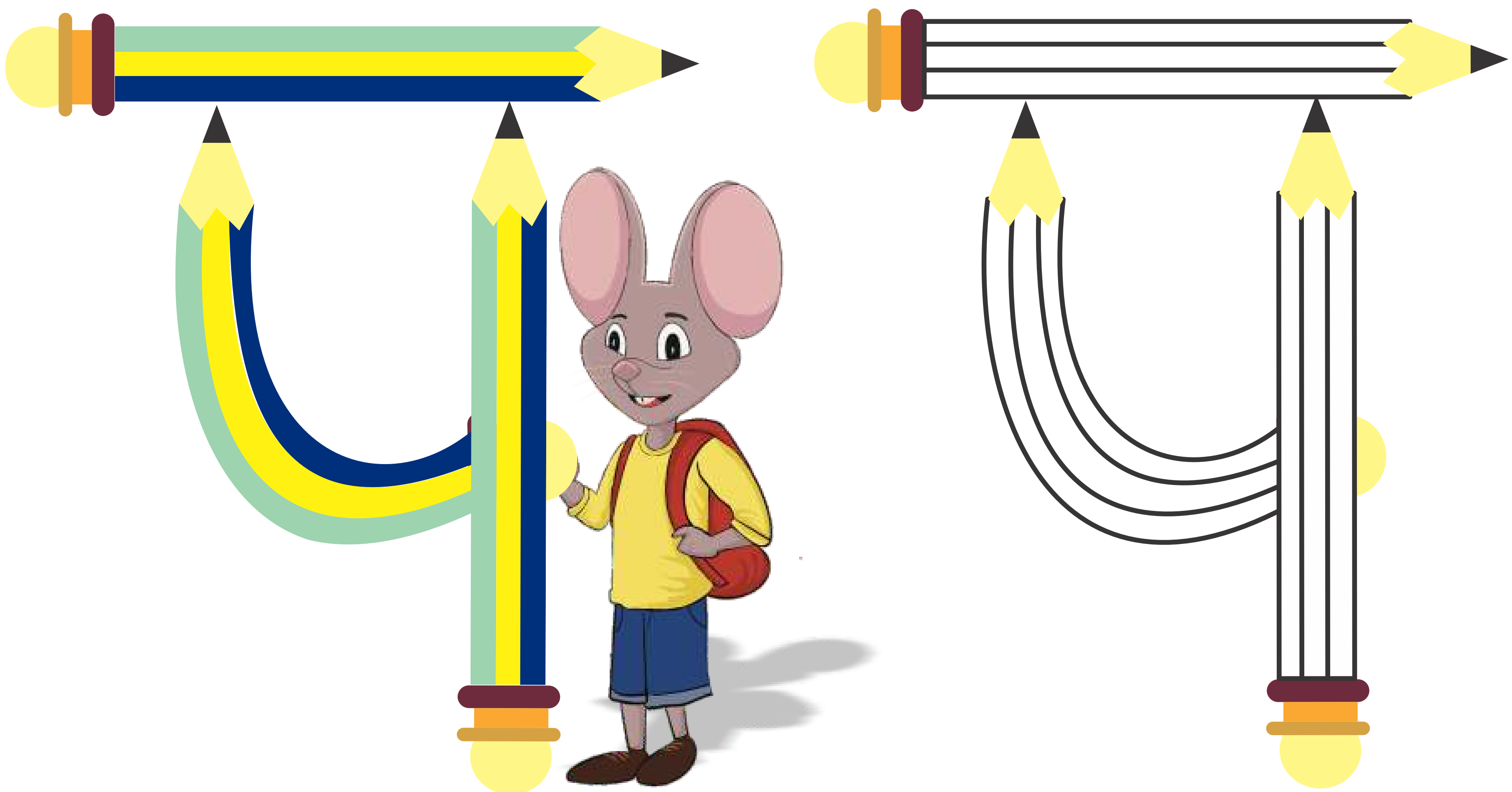

अभ्यास-15
प्रतिबिम्ब आकृति

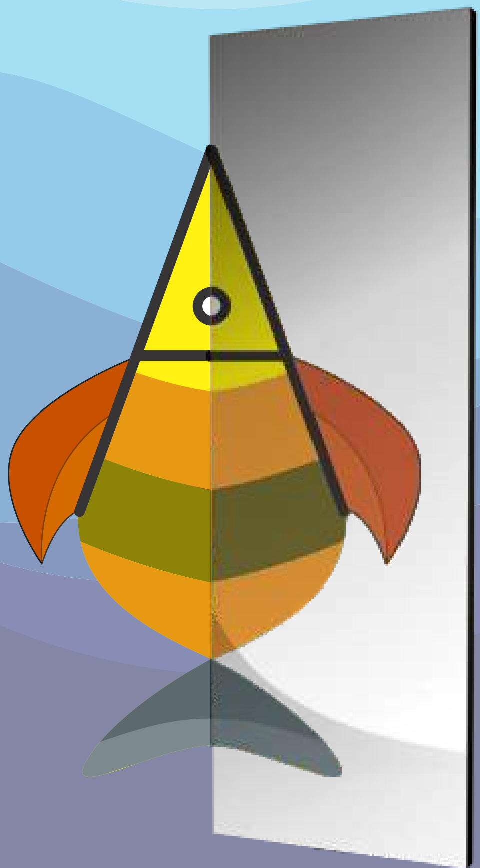

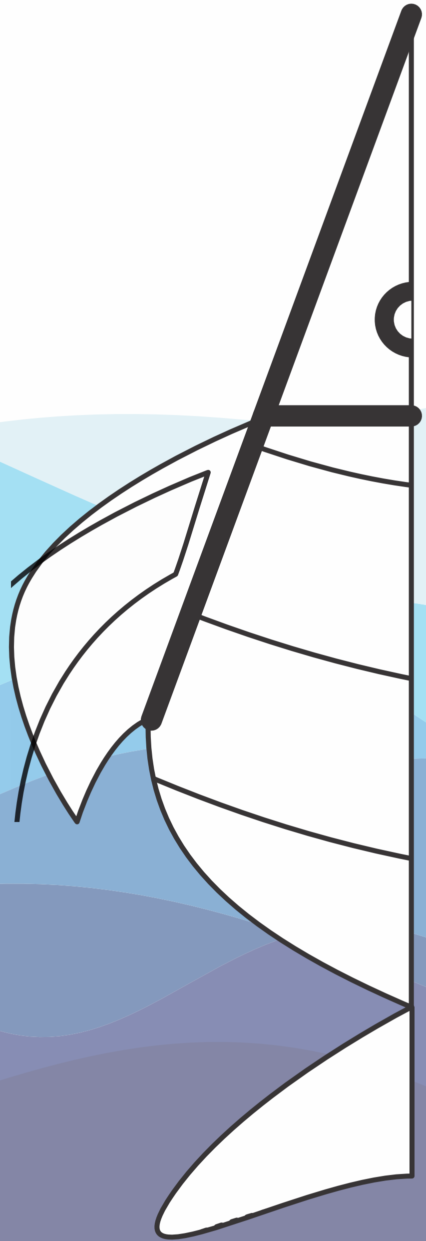

आभासीय रेखाओं को पेंसिल की सहायता से दिए गये चित्र के अनुरूप आभासीय आकृति में रंग भरें। आकृति के मध्य दर्पण रख कर प्रतिबिम्ब देखें।

B4B5P3

बच्चों में सममित आकृतिओं की समझ का विकास करना।

अभ्यास-15
प्रतिबिम्ब आकृति

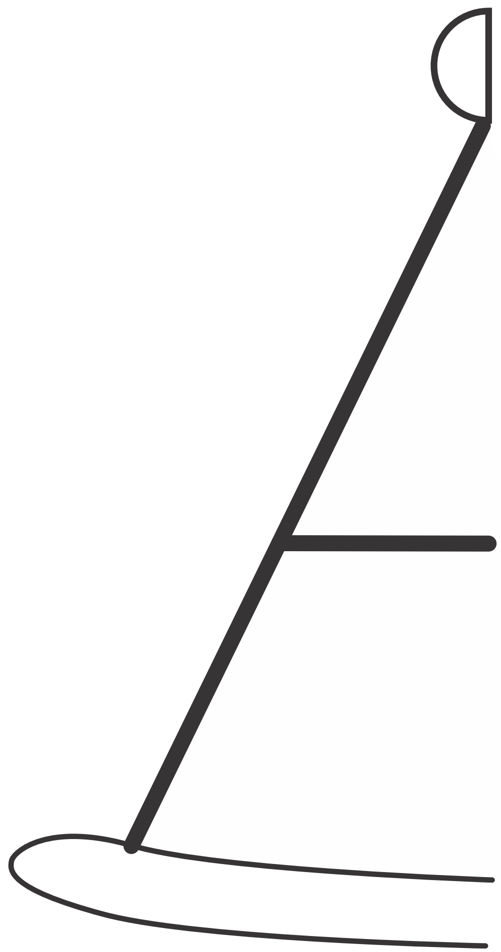

अभ्यास-16

बिंदु-चित्रण

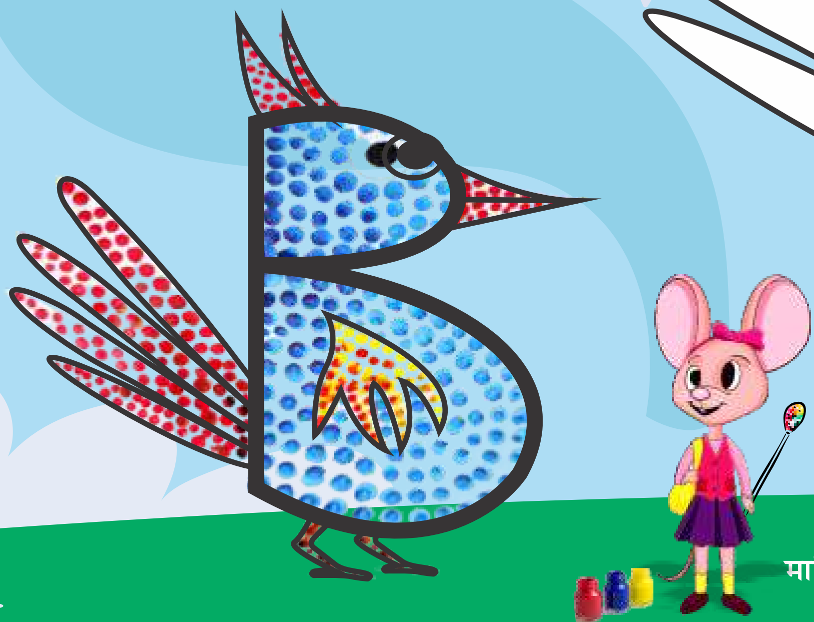

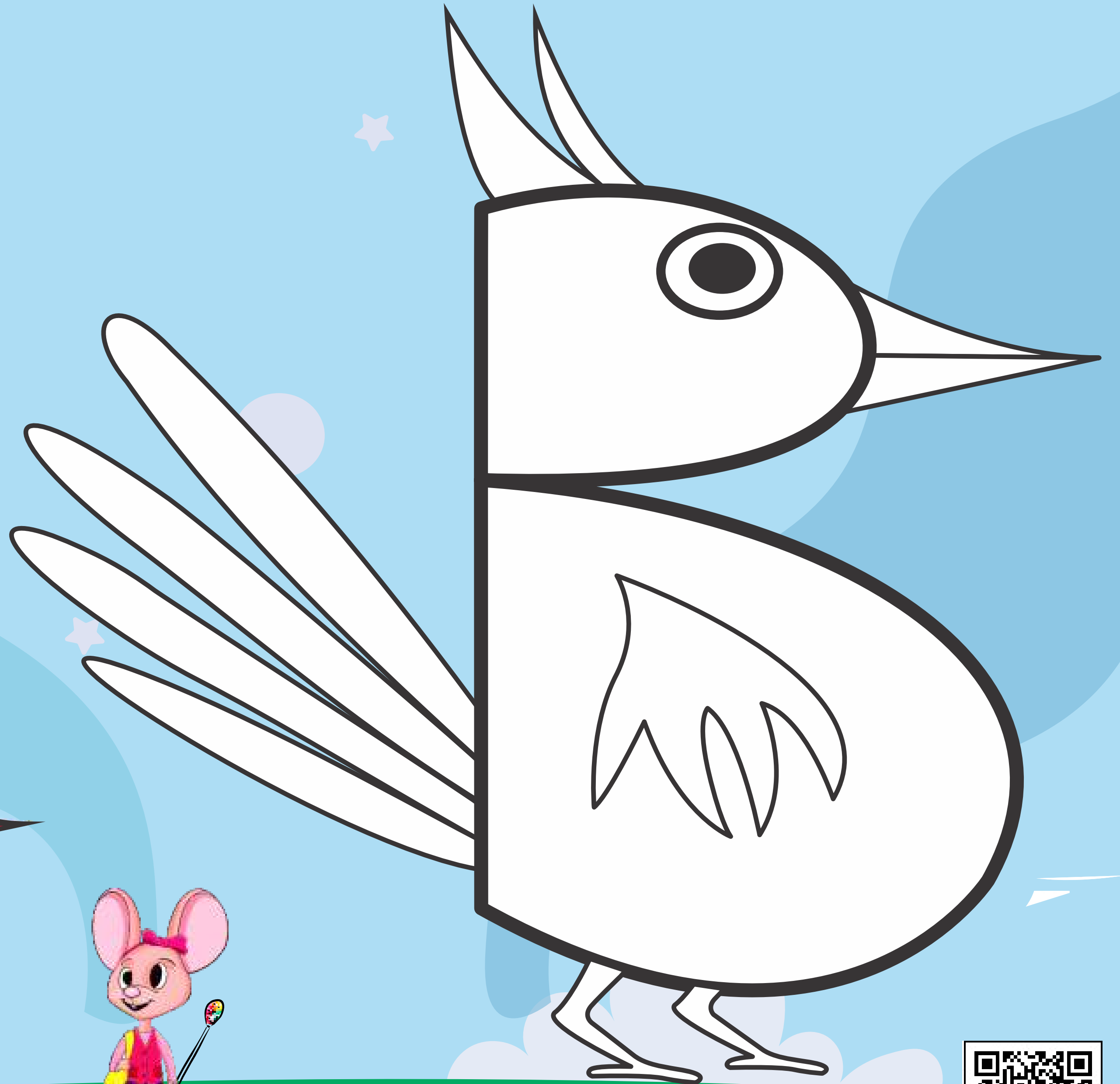

माचिस की तीली के सिरे पर रुई लपेटे। दी गयी आकृति के अनुरूप विभिन्न रंगों के अनुसार रुई लपेटी हुई तीलिओं से बिन्दुओं का रंगाकन पूर्ण करें।

Q8U4J3

अभ्यास-16
बिंदु-चित्रण

बच्चों में रंगीन बिंदुओं द्वारा उत्पन्न प्रभाव को समझाना व बच्चों में प्रयोगात्मक कौशल को विकसित करना।

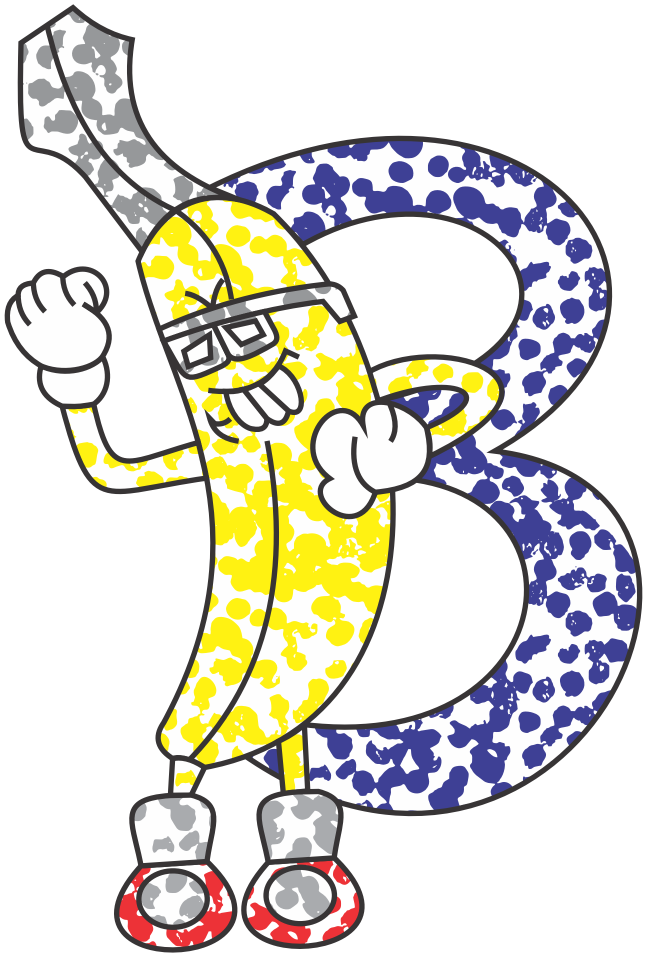

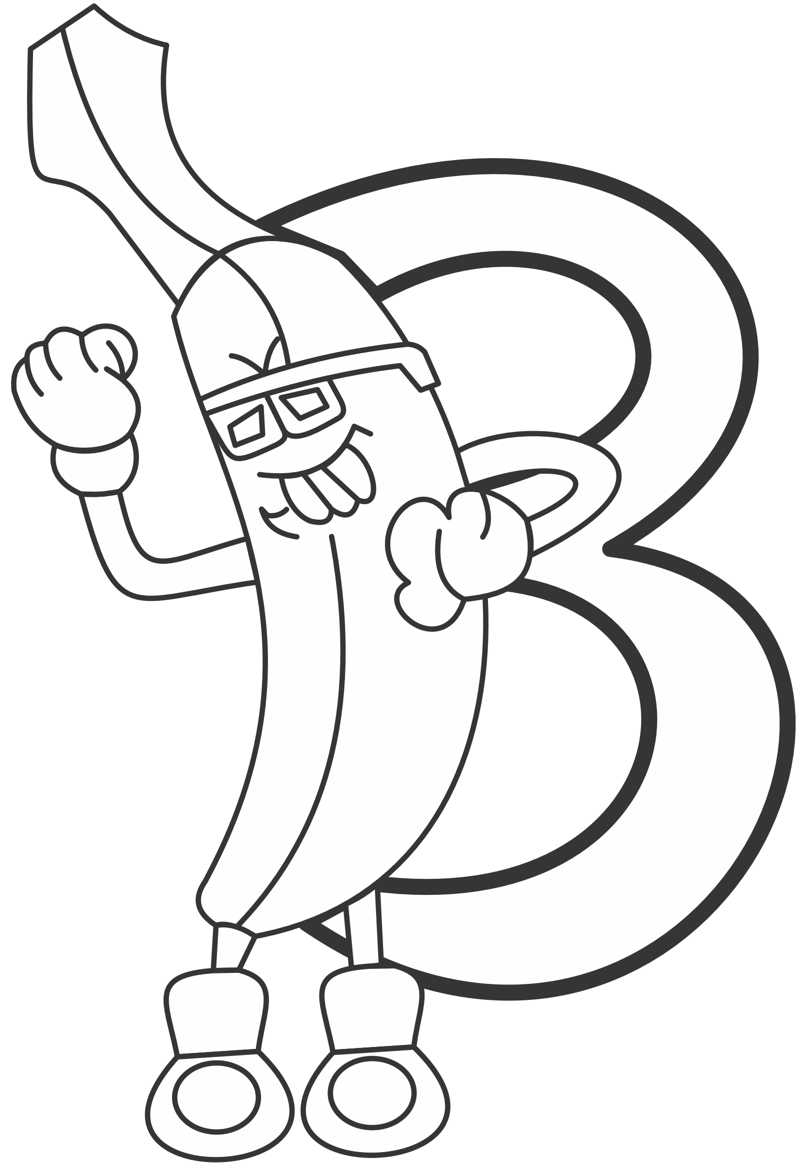

अभ्यास-17
क्षेपांकन चित्रण

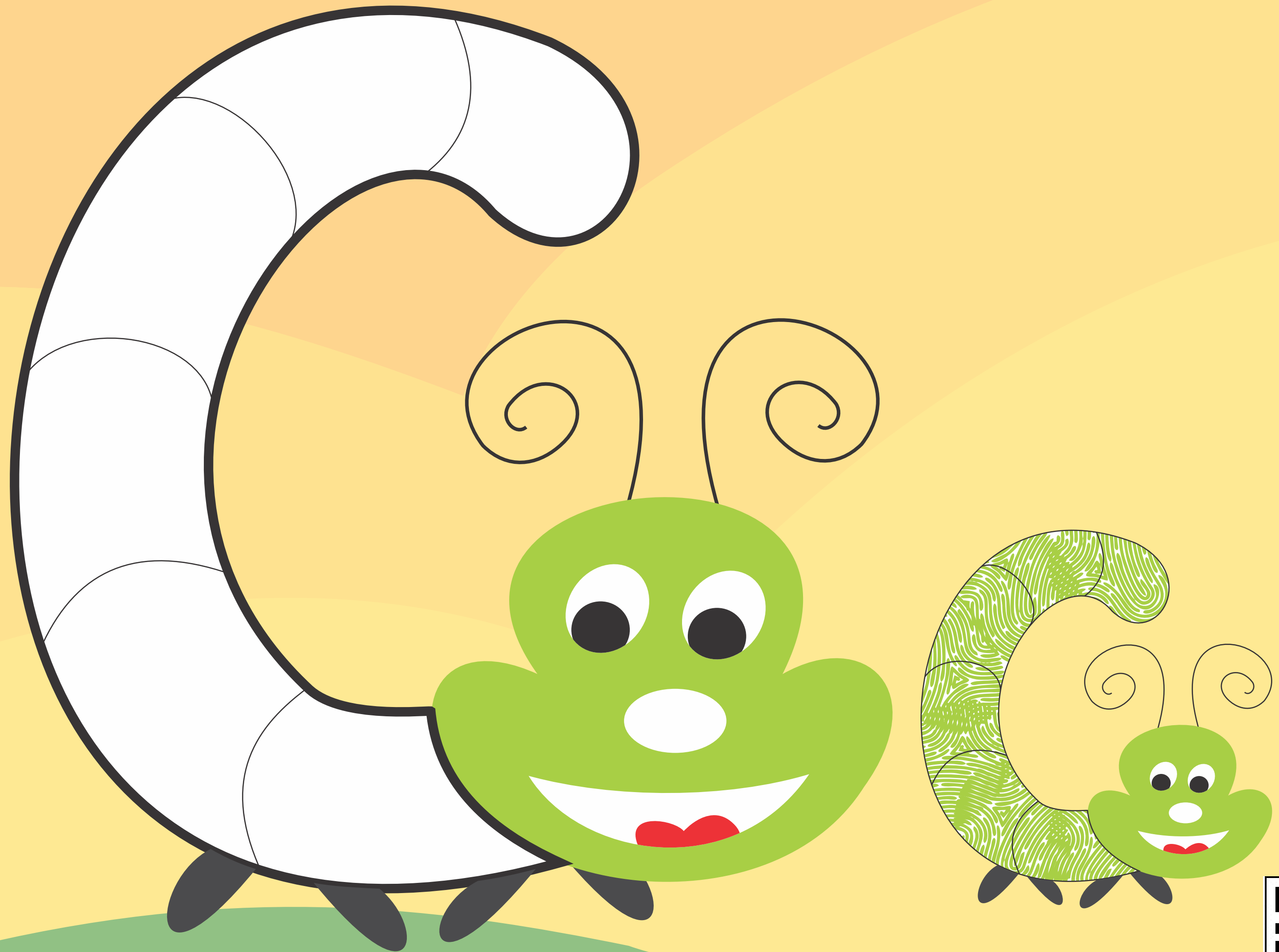

क्षेपांकन को आभासीय आकृति पर रखें। अंगूठे में रंग लगायें।
क्षेपांकन की सहायता से दी गयी आकृति के सदृश्य अंगूठे की छाप लें।

P4H8E2

अभ्यास-17
क्षेपांकन चित्रण

कट-आउट को बाहर निकालें।

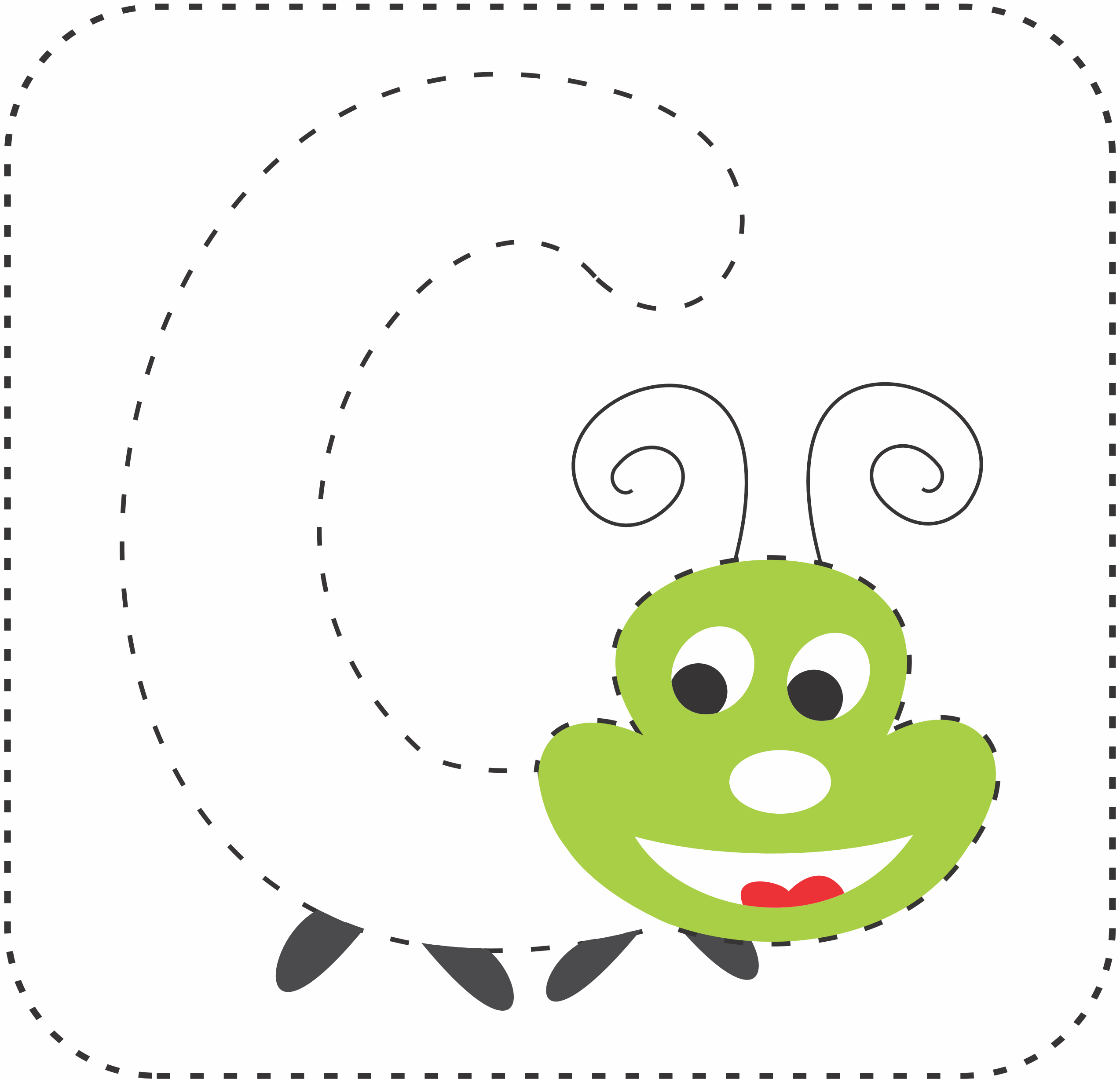

अभ्यास-17
क्षेपांकन चित्रण

बच्चों में क्षेपांकन के प्रयोग से सृजनात्मकता को विकसित करना।

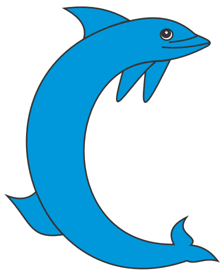

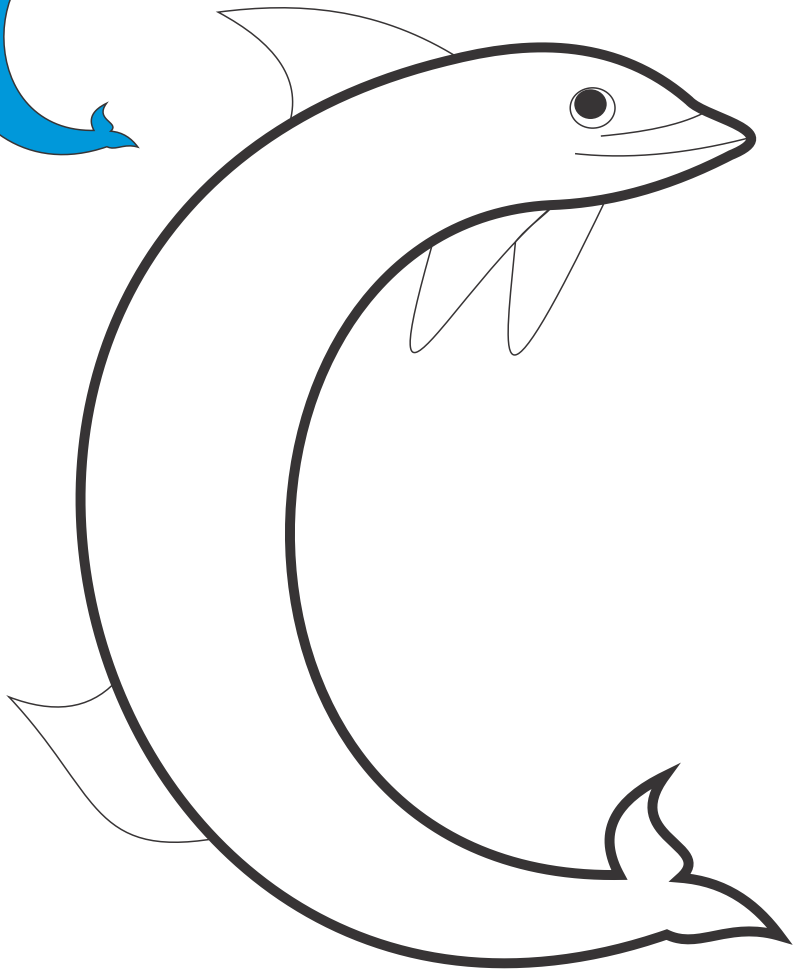

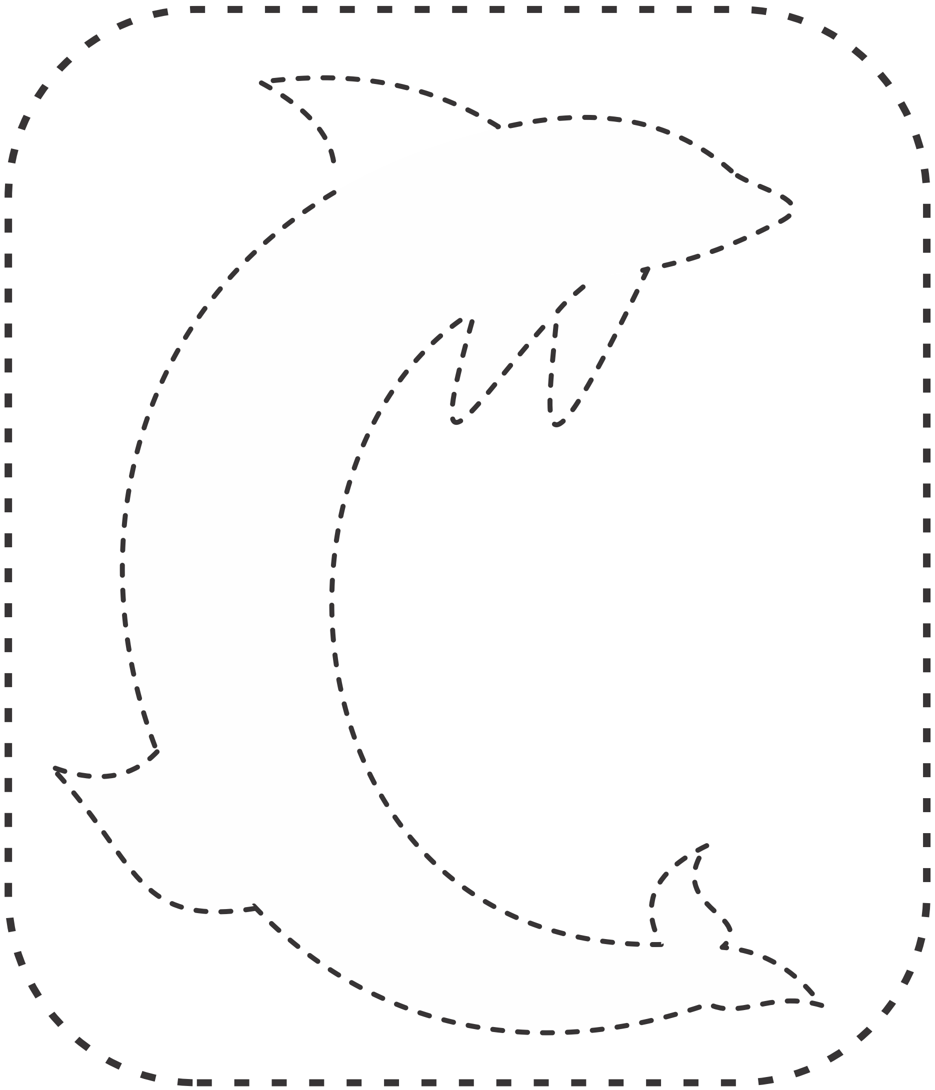

अभ्यास-17
क्षेपांकन चित्रण

बच्चों में क्षेपांकन के प्रयोग से सृजनात्मकता को विकसित करना।

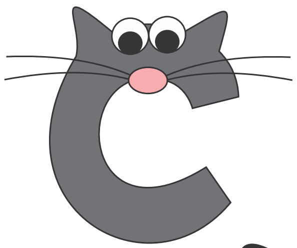

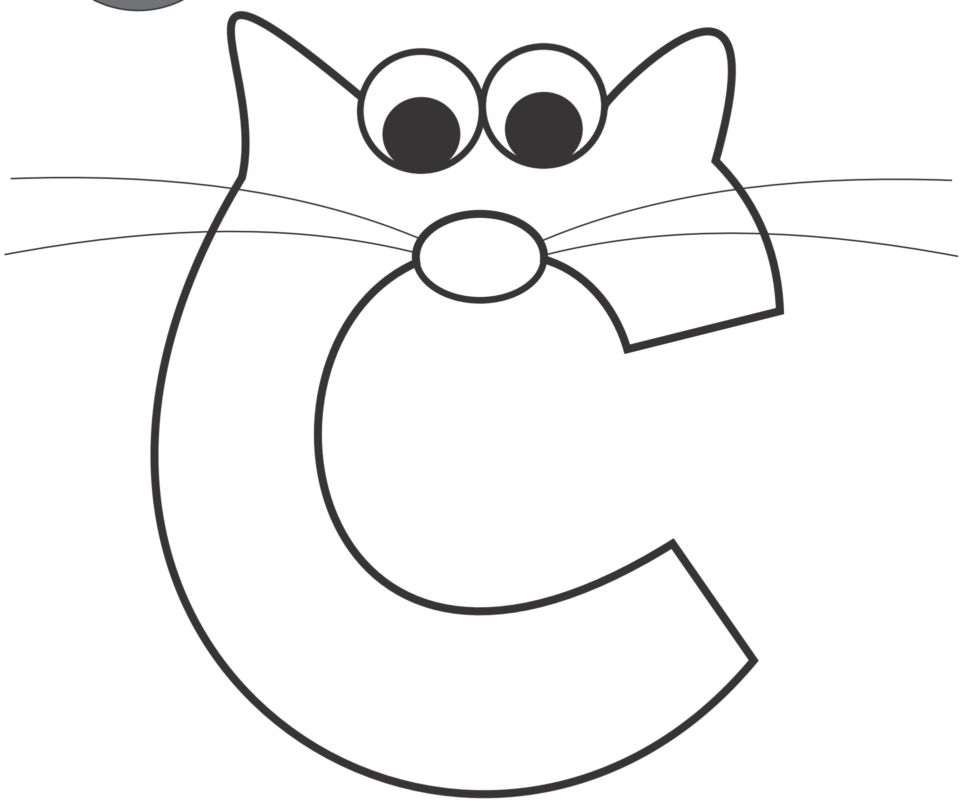

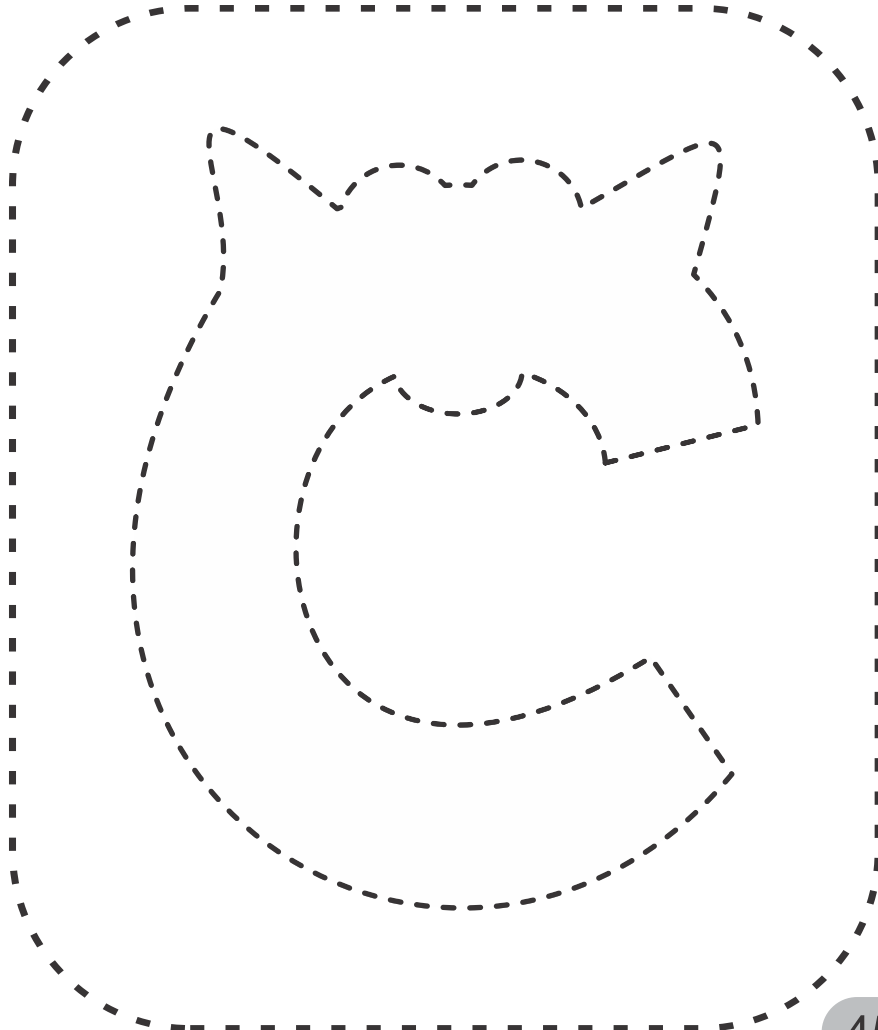

अभ्यास-18
उभरी सतह प्रणाली

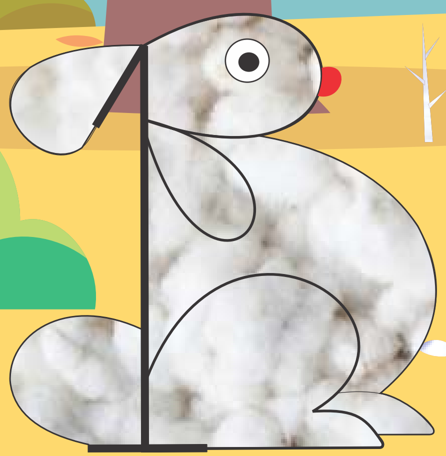

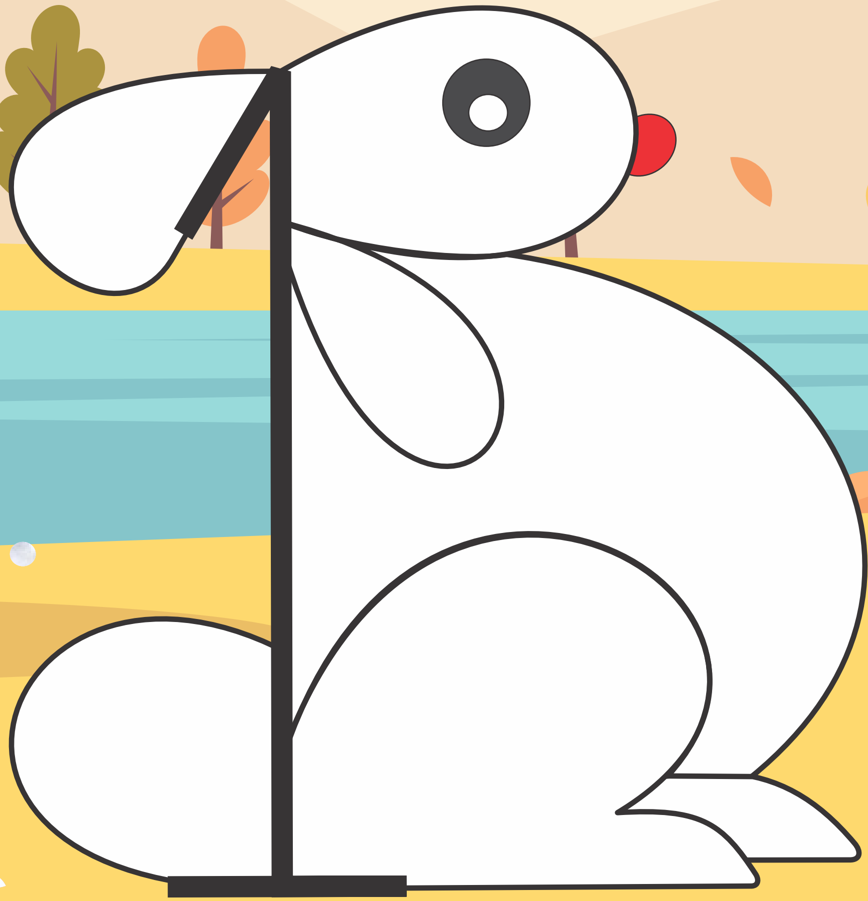

आकृति पर गोंद लगाये। गोंद लगे स्थान पर आकृति के अनुसार रुई चिपकाएँ।
आकृति के बाहर निकली रुई को छांट कर निकाल दें।

Z7L6B8

अभ्यास-18

उभरी सतह प्रणाली

बच्चों को सपाट सतह से उभरी सतह प्रणाली की ओर ले जाना। जिससे बच्चों में सृजनात्मकता का विकास कराना।

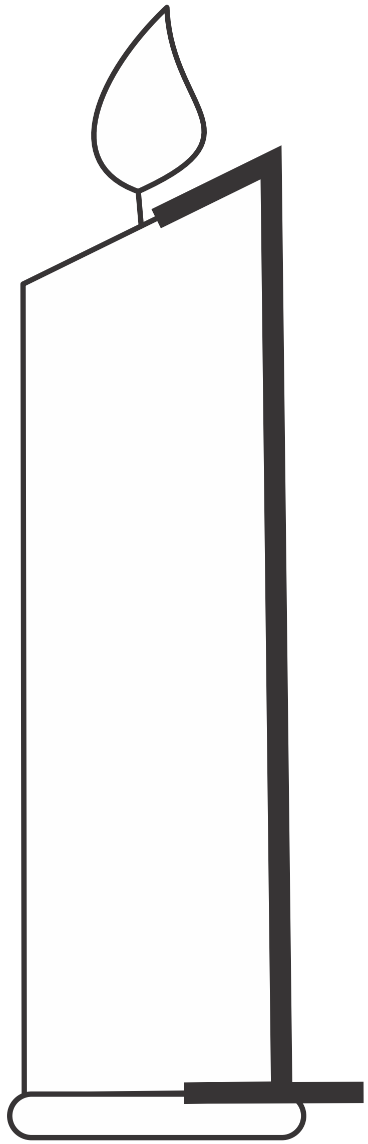

अभ्यास–19

धूलि चित्रण

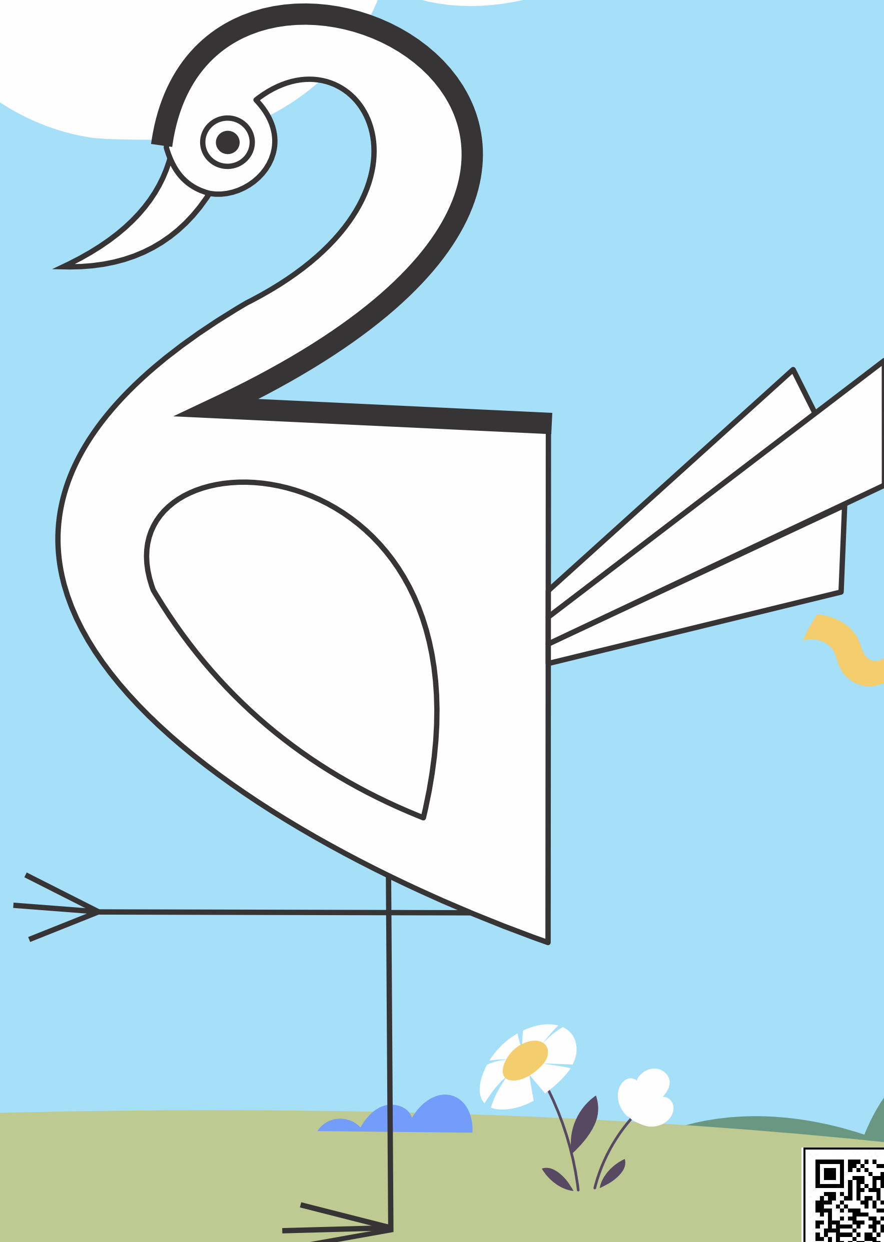

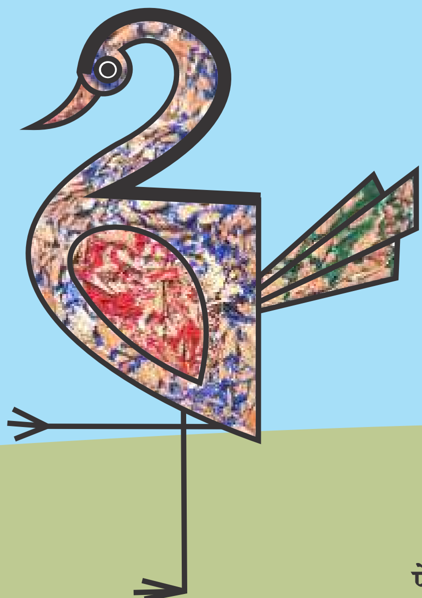

पेंसिल का छीलन निकाल कर बारीक पीस लें। आभासीय आकृति पर गोंद लगाये। बारीक छीलन का छिड़काव करें व हल्के हाथ से दबा कर चिपकाएँ।

Q5T5M8

अभ्यास-19
धूलि चित्रण

बच्चों में सीमित संसाधनों में भी कार्य करने की समझ विकसित करना।

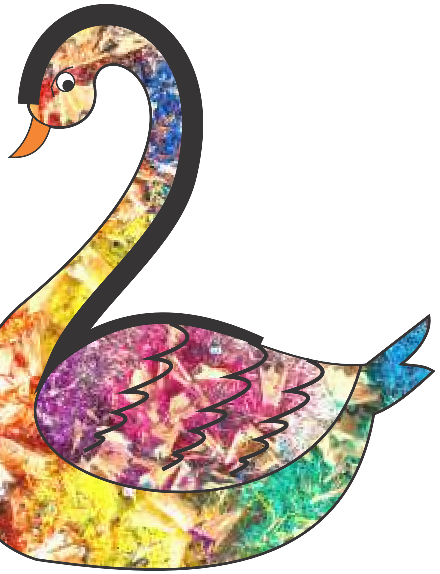

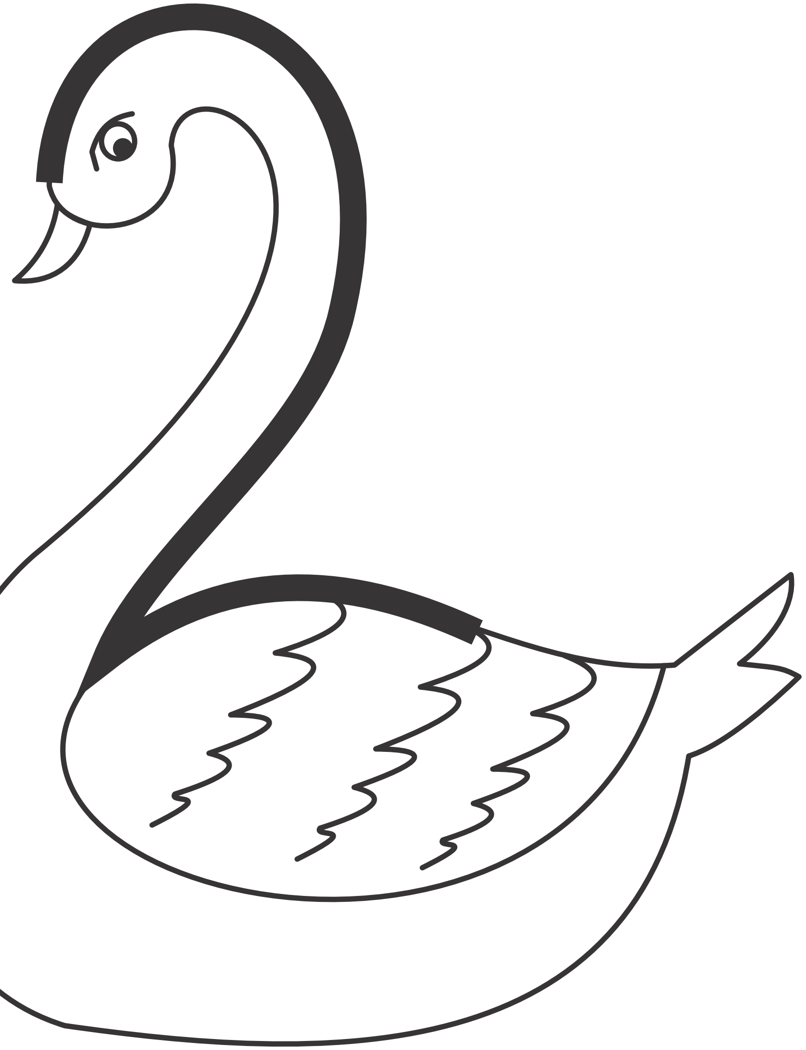

अभ्यास-20
छिड़काव चित्रण

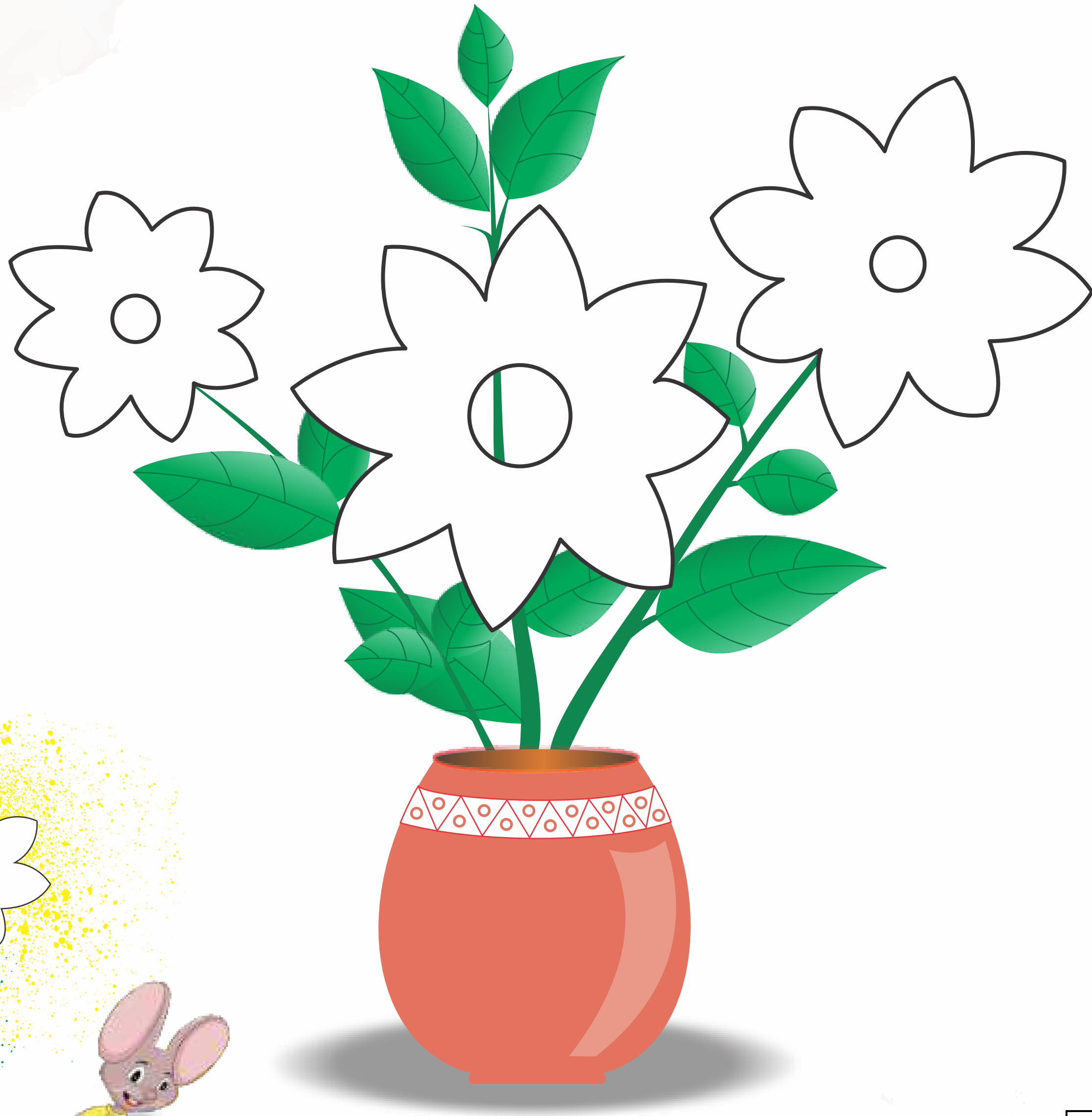

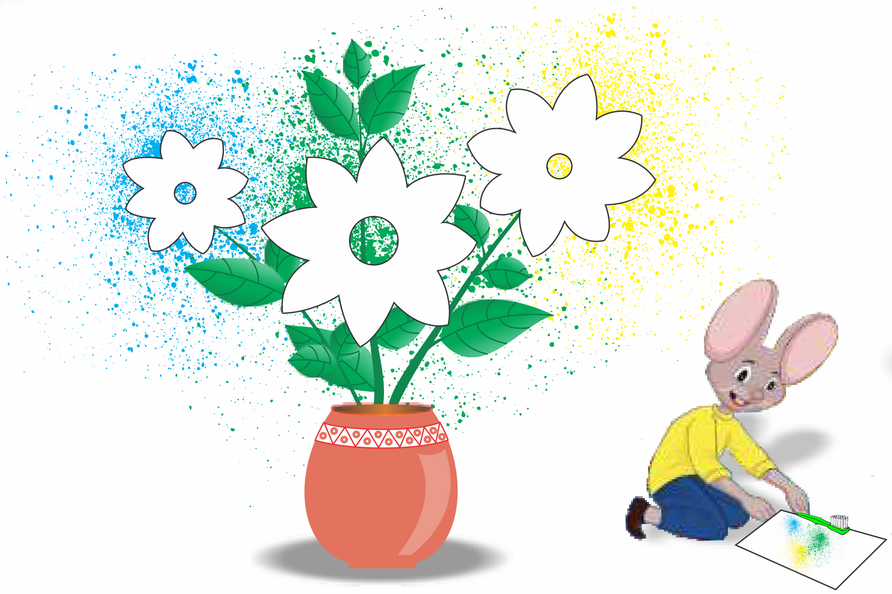

क्षेपांकन को स्थान पर रखें। टूथब्रश से उंगली की सहायता से रंगों का छिड़काव करें। क्षेपांकन को सावधानी से हटा लें।

E9D2B1

अभ्यास-20
छिड़काव चित्रण

कट-आउट को बाहर निकालें।

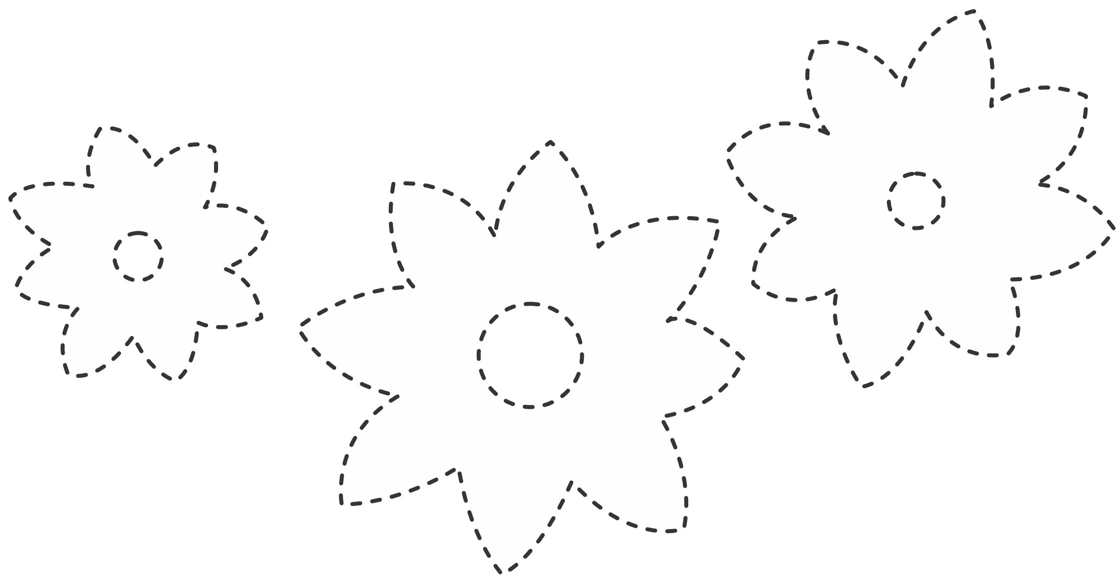

अभ्यास-20
छिड़काव चित्रण

बच्चों में प्रयोगात्मक कौशल को विकसित करना।

अभ्यास-21
मृद गढ़नशीलता

0 1 2 3 4

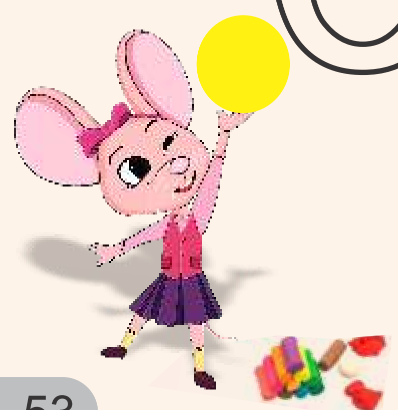

मिट्टी को आवश्यकतानुसार गोलियों में बाट लें।
अंकों के आभासीय रेखांकन पर मिट्टी रखकर अंकों का निर्माण करें।

U9B8Y8

अभ्यास-21
मृद गढ़नशीलता

बच्चों में त्रि-अयामी आकृतियों के माध्यम
से सृजनात्मकता का विकास करना।

0 1 2 3 4

अभ्यास-21
मृद गढ़नशीलता

5 6 7 8 9

मिट्टी को आवश्यकतानुसार गोलियों या बत्तियों में बाट लें।
अंकों के आभासीय रेखांकन पर मिट्टी रखकर अंकों का निर्माण करें।

B9F6Z4

कलांकुर

बालवाटिका हेतु (3 से 6 वय वर्ग तक कला पुस्तिका)

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

पता : जे.बी.टी.सी. कैम्पस, निशातगंज, लखनऊ
दूरभाष : 0522–2780385, 2780505, फैक्स : 0522–2781125
ई–मेल : dscertup@gmail.com
वेबसाइट : www.scert-up.in
फेसबुक : @dscertup

मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, लखनऊ